यूनिक समय

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिकॉम एडवरटाइजिंग

दीपावली की शुभकामनाएं

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त

Sweety BY MR GROUP Presents

Unique Samay Update

uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-254 | सांध्य दैनिक | मथुरा/आगरा संभाग, शनिवार, 7 नवंबर 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay





वर्ष-4 | अंक-254 | सांध्य दैनिक | मथुरा/आगरा संभाग, शनिवार, 7 नवंबर 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

कमीशन की भूख में डीपीआरओ कार्यालय बदनाम

यूनिक समय, मथुरा। राज्य और केंद्र सरकार से मिलने वाली विकास राशि से होने वाले निर्माण कार्यों में कमीशनखोरी का खेल जिला पंचायत राज विभाग की छवि पर लगातार दाग लगा रहा है। तत्कालीन जिला पंचायत राज अधिकारी किरन चौधरी के रिश्वत प्रकरण की बदनामी मिटी नहीं कि अब ग्राम पंचायत अड़ींग के सचिव मनीष भंडारी को एक लाख रुपये की रिश्वत लेते विजिलेंस टीम ने गिरफ्तार कर विभाग को फिर सुर्खियों में ला दिया। इससे पहले भी विभाग के एक सचिव के रिश्वत प्रकरण में पकड़े जाने का मामला सामने आ चुका है। लगातार सामने आ रहे ऐसे मामलों ने विभागीय



कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

शुक्रवार को विजिलेंस टीम ने राजीव भवन में ठेकेदार से एक लाख रुपये की रिश्वत लेते समय सचिव मनीष भंडारी को दबोचा था। वह ठेकेदार के कई करोड़ रुपये की फाइलों का

तत्कालीन डीपीआरओ के रिश्वत प्रकरण का दाग मिटा नहीं

अब सचिव एक लाख लेते गिरफ्तार, विभाग में फिर उठे सवाल

भुगतान कराने के बदले श्वित का भुगतान ले रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, राजीव भवन के बाहर लगे ट्रांसफार्मर के समीप सचिव रिश्वत की रकम ले रहा था। विजिलेंस की कार्रवाई देखकर मौके पर मौजूद लोग पहले इसे शिक्षकों से जुड़ा कोई मामला समझते रहे। बाद में सचिव की गिरफ्तारी की जानकारी होने पर घटनाक्रम चर्चा का विषय बन गया।

घटना के दूसरे दिन शनिवार को राजीव भवन स्थित जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय में भ्रष्टाचार को लेकर कर्मचारियों के बीच चर्चाएं होती रहीं। कर्मचारियों का कहना था कि सचिव किसके लिए रिश्वत की रकम ले रहा था, इसकी भी जांच होनी चाहिए। दीपावली से पहले राजीव भवन परिसर को ही रिश्वत लेने के लिए क्यों चुना गया? क्या रकम किसी अन्य अधिकारी तक पहुंचाई जानी थी? ऐसे सवाल भी कर्मचारियों के बीच उठते रहे।

विभागीय कर्मचारियों के बीच यह चर्चा भी रही कि सचिव की गिरफ्तारी के कुछ देर बाद डीपीआरओ जिले से चले गए थे। हालांकि इस घटनाक्रम में उनकी भूमिका को लेकर कोई आधिकारिक तथ्य सामने नहीं आया है। तत्कालीन डीपीआरओ किरन चौधरी के प्रकरण से लेकर सचिवों की गिरफ्तारी तक सामने आए मामलों ने पंचायत राज विभाग की कार्यप्रणाली और सरकारी विकास कार्यों में पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

दीपों की झिलमिल से दमकी कान्हा नगरी,दिव्य अयोध्या सा निखरा ब्रज





शनिवार को श्रीकृष्ण जन्मभूमि में दीपदान करते विधायक श्रीकांत शर्मा, गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी आदि। दीपों की रोशनी से जगमगाता श्रीकृष्ण जन्मस्थान परिसर।

यूनिक समय, मथुरा। दीपावली की पूर्व संध्या पर कान्हा की नगरी दीपों की रोशनी और रंग-बिरंगी झालरों की जगमगाहट से दमक उठी। घरों, मंदिरों, प्रतिष्ठानों और गलियों में सजे दीपों ने पूरे ब्रज को दिव्य आभा से सराबोर कर दिया। चहुंओर ऐसा अलौकिक दृश्य नजर आया, मानो त्रेतायुग में चौदह वर्ष का वनवास पूरा कर प्रभु श्रीराम अयोध्या लौटे हों और उनके स्वागत में

श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर दीपों से जगमगाया केशवदेव मंदिर

पूरी नगरी दीपों से सज उठी हो।

मथुरा के होली गेट, चौक बाजार, कृष्णानगर और भरतपुर गेट से लेकर वृंदावन और गोवर्धन मार्ग तक रोशनी का अनूठा नजारा दिखाई दिया। घरों की छतों, दुकानों और प्रतिष्ठानों पर सजी रंग-बिरंगी झालरों ने वातावरण को उत्सवी बना दिया। जगह-जगह आकर्षक रंगोलियों और पुष्पों से सजे द्वारों ने शहर की सुंदरता में चार चांद लगा दिए। बच्चों में आतिशबाजी को लेकर खास उत्साह दिखाई दिया।

उधर, श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर दीपावली-अन्नकूट महोत्सव के अंतर्गत श्रीकेशवदेव मंदिर में परंपरागत दीपदान उत्सव धूमधाम से मनाया गया। ठाकुर श्रीकेशवदेव के नयनाभिराम श्रृंगार, पुष्प बंगला और आकर्षक विद्युत सज्जा ने परिसर की दिव्यता बढ़ा दी। सायं सात बजे गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी ने दीप प्रज्वलित कर दीपोत्सव यात्रा का शुभारंभ किया। बैंड-बाजों, नृत्य और मंत्रोच्चार के बीच 1008 दीपों से मंदिर प्रांगण आलोकित हो उठा। इस दौरान सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

जंक्शन पर बनेगा 12 मीटर चौड़ा फुट ओवर ब्रिज

प्लेटफार्म संख्या 8, 9, 10 और 11 से जुड़ेगा एफओबी, यात्रियों को मिलेगी राहत

यूनिक समय, मथुरा। जंक्शन रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) का विस्तार किया जाएगा। आरपीएफ थाने के सामने बने फुट ओवर ब्रिज को आगे बढ़ाकर प्लेटफार्म संख्या 8, 9, 10 और 11 से जोड़ा जाएगा। इसके साथ ही एफओबी की चौड़ाई भी तीन मीटर से बढ़ाकर 12 मीटर की जाएगी। इस परियोजना पर करीब ढाई करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

रेलवे की इस योजना के पूरा होने के बाद यात्रियों को एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म पर आने-जाने में काफी सहूलियत मिलेगी। खासकर त्योहारों और छुट्टियों के दौरान स्टेशन पर बढ़ने वाली यात्रियों की भीड़ को देखते हुए यह सुविधा महत्वपूर्ण साबित होगी। वर्तमान में सीमित चौड़ाई वाले फुट ओवर ब्रिज पर यात्रियों को आवाजाही के दौरान परेशानी का सामना करना पड़ता है। चौड़ाई बढ़ने से एक साथ अधिक यात्री आसानी से आवागमन कर सकेंगे। एफओबी के विस्तार और चौड़ीकरण के लिए करीब ढाई करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है। फिलहाल इसकी टेंडर प्रक्रिया पूरी होने का इंतजार है। टेंडर प्रक्रिया पूरी होते ही निर्माण कार्य शुरू करा दिया जाएगा। एफओबी के विस्तार से जंक्शन पर यात्री सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी और प्लेटफार्मों के बीच आवागमन पहले से अधिक सुगम हो सकेगा।

स्टेशन निदेशक सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि प्लेटफार्म संख्या एक-दो को जोड़ने वाले फुट ओवर ब्रिज को विस्तार दिया जाएगा। इस पर करीब ढाई करोड़ रुपये का खर्च आएगा। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा।

प्लेटफार्म संख्या एक और दो के यात्रियों होगी सुविधा

आरपीएफ थाने के निकट बना एफओबी प्लेटफार्म संख्या एक और दो को ही जोड़ता है। इसे विस्तार मिलने के बाद प्लेटफार्म संख्या एक और दो के यात्रियों को प्लेटफार्म संख्या 8,9,10 व 11 पर जाने में आसानी होगी और वह इसके रास्ते सीधे तृतीय प्रवेशद्वार पर पर पहुंच सकेंगे।

कीमतों में गिरावट के बाद खरीदारी को उमड़े ग्राहक

सोना-चांदी के दाम गिरने से चमका सराफा बाजार

शादी-विवाह की खरीदारी ने भी बढ़ाई रौनक

यूनिक समय, मथुरा। ठीक धनतेरस पर सोना और चांदी की कीमतों में गिरावट ने सराफा बाजार की रौनक बढ़ा दी है। पिछले दिनों लगातार ऊंचे बने रहे कीमती धातुओं के दाम में नरमी आने से ग्राहकों का रुझान एक बार फिर खरीदारी की ओर बढ़ा है। कीमतें कम होने की उम्मीद में खरीदारी टाल रहे लोग अब आभूषणों की दुकानों का रुख कर रहे हैं। इससे सराफा कारोबारियों के चेहरों पर भी मुस्कान लौटने लगी है।

शहर के होली गेट, चौक बाजार, छत्ता बाजार, कृष्णा नगर और अन्य



प्रमुख बाजारों में सोने-चांदी के आभूषणों की दुकानों पर ग्राहकों की आवाजाही बढ़ी है। खासकर महिलाओं में नए डिजाइन के हार, कंगन, चेन, अंगूठी और झुमके खरीदने को लेकर उत्साह दिखाई दे रहा है। वहीं चांदी के सिक्के, पायल, बिछिया और अन्य परंपरागत आभूषणों की मांग भी बढ़ रही है।

सराफा कारोबारियों के अनुसार, सोने और चांदी की कीमतें लगातार उंचे स्तर पर रहने के कारण मध्यमवर्गीय परिवारों ने खरीदारी सीमित कर दी थी।

मथुरा में शनिवार के सोने-चांदी के भाव

24 कैरेट सोना (10 ग्राम)	1,42,640
22 कैरेट सोना (10 ग्राम)	1,30,753
18 कैरेट सोना (10 ग्राम)	1,06,980
चांदी (1 किलो)	1,85,340
चांदी (100 ग्राम)	18,534
चांदी (10 ग्राम)	1,853

कई लोग जरूरी होने के बावजूद आभूषण खरीदने से बच रहे थे। अब कीमतों में गिरावट आने से उन्हें कुछ राहत मिली है। ग्राहक पुराने आभूषणों के बदले नए गहने बनवाने और शादी-विवाह के लिए जेवरों की खरीदारी करने पहुंच रहे हैं।

कारोबारियों का कहना है कि शादी-विवाह का सीजन शुरू होने के साथ ही सोने-चांदी की मांग में और तेजी आने की उम्मीद है। हालांकि ग्राहक अभी भी कीमतों पर नजर रखे हुए हैं और खरीदारी से पहले अलग-अलग दुकानों पर भाव की जानकारी ले रहे हैं। कीमती धातुओं के दाम में आई नरमी ने बाजार को नई ऊर्जा दी है। कारोबारियों को उम्मीद है कि कीमतों में स्थिरता बनी रही तो आने वाले दिनों में सराफा बाजार में ग्राहकों की भीड़ और कारोबार दोनों बढ़ेंगे।

सौंख रोड के मकान में लगी आग इलाके में मचा हड़कंप

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली क्षेत्र के सौंख रोड स्थित एक मकान में शनिवार शाम अचानक आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। मकान से उठती आग की लपटें देखकर आसपास के लोग दहशत में आ गए। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग तेजी से फैलती हुई मकान में रखे सामान को अपनी चपेट में लेने लगी। फायर ब्रिगेड अधिकारियों के अनुसार, सौंख रोड पर साईं मंदिर के समीप स्थित मकान में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। दमकलकर्मियों ने आग बुझाने का मोर्चा संभाला। आग की लपटों को देखकर मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। समाचार लिखे जाने तक दमकलकर्मी आग पर काबू पाने के प्रयास में जुटे हुए थे। आग लगने के कारणों और नुकसान का तत्काल पता नहीं चल सका था।

दीपावली की शुभकामना

सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं और शुभचिंतकों को दीपावली की शुभकामना। 08 नवंबर को अवकाश रहेगा। अगला अंक 09 नवंबर को प्रकाशित होगा।

-संपादक


राधारानी
ज्वैलर्स
20%* OFF
on Making Charges on
GOLD Jewellery*
21%* OFF
on Diamond Value*
+
0* Making Charges on
Diamond Jewellery*
THIS DIWALI, CELEBRATE THE ART OF ELEGANCE.
MARK THE FESTIVE SEASON WITH BEAUTIFUL DESIGNS
AND TIMELESS CRAFTSMANSHIP.
Happy
Diwali
NEW OUTLET NOW OPEN AT HOLI GATE
KISNA
T&C APPLY
SHOP | SPARKLE | WIN
Grand Lucky Draw
Krishna Nagar
61-C, Krishna Nagar (Bhuteshwar Road),
Mathura, Uttar Pradesh - 281001
Holigate
Agra Road, Outside Holigate,
Mathura, Uttar Pradesh - 281001
+91 80774 03366

ससुराल में दामाद की पीट-पीटकर हत्या, ससुर और सालों पर आरोप

यूनिक समय, मथुरा। थाना बरसाना क्षेत्र के गांव हाथिया में पत्नी के साथ ससुराल आए युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या कर दी गई। आरोप है कि पत्नी से विवाद के बाद ससुर और सालों ने युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी। उसका रस्सी से बंधे हाथों वाला शव घर के दरवाजे पर पड़ा मिला। परिजनों का दावा है कि गांव में हुई पंचायत के दौरान ससुर ने दामाद की हत्या करने की बात स्वीकार की। पुलिस ने ससुर और उसके बेटों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रस्सी से बंधे हाथ वाला शव घर के दरवाजे पर मिला, पंचायत में ससुर ने हत्या की बात कबूली

राजस्थान के डीग जिले के थाना जुरहरा क्षेत्र के गांव धौसिंगा निवासी समीम (31) की ससुराल बरसाना के गांव हाथिया में है। धौसिंगा में पांच नवंबर को सरपंच पद का चुनाव होना था। परिजनों के अनुसार, तीन नवंबर को समीम की पत्नी ने मायके जाने की जिद की। परिवार के लोगों ने दोनों को मतदान के दिन वापस आने की बात कहकर हाथिया भेज दिया।

समीम के चाचा असरुद्दीन के अनुसार, चार नवंबर को फोन पर समीम से गांव लौटने की बात हुई थी। उसने पत्नी के खाना बनाने के बाद आने की बात कही, लेकिन दोनों वापस नहीं पहुंचे।

पांच नवंबर की रात ससुराल से फोन आया कि समीम की तबीयत खराब है। इस पर परिजन रात में ही हाथिया के लिए रवाना हो गए। सुबह करीब पांच बजे वहां पहुंचे तो समीम का शव घर के दरवाजे पर पड़ा मिला। उसके हाथ रस्सी से बंधे हुए थे। यह दृश्य देखकर परिजनों में चीख-पुकार मच गई। परिजनों के अनुसार, हत्या को लेकर हाथिया गांव में पंचायत बुलाई गई। इसमें ससुर तय्यब से पूछताछ की गई तो उसने मारपीट कर दामाद की हत्या करने की बात स्वीकार की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले में तय्यब और उसके बेटों के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पोस्टमार्टम के बाद परिजन शव लेकर गांव धौसिंगा रवाना हो गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।



जंक्शन पर यात्रियों की सेहत से खिलवाड़





जंक्शन पर वेंडर द्वारा बेचे जा रहे समोसे और ब्रेड पकोड़ों के बीच रखी नमक मिर्च और गुड़ के घोल की बोतल।

खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता पर उठे सवाल

समोसे और ब्रेड पकोड़े के साथ सॉस के पाउच की जगह दिया जा रहा नमक मिर्च और गुड़ का घोल

यूनिक समय, मथुरा। जंक्शन रेलवे स्टेशन पर खानपान का सामान बेचने वाले वेंडर यात्रियों की सेहत के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। स्टेशन पर यात्रियों को बेचे जा रहे समोसे और ब्रेड पकोड़ों के साथ सॉस के पाउच के स्थान पर नमक मिर्च और गुड़ का घोल डालकर दिया जा रहा है।

खानपान को लेकर रेलवे द्वारा निर्धारित नियमावली के तहत समोसे और ब्रेड पकोड़े के साथ सॉस का पाउच देना अनिवार्य है, लेकिन अधिक मुनाफे के चक्कर में वेंडर यात्रियों को नमक मिर्च और गुड़ के घोल को बोतल में भर लेते हैं। यही घोल समोसे और ब्रेड पकोड़े पर डालकर यात्रियों को दिया जा रहा है। वहीं ब्रेड पकोड़े बनाने में बेसन के स्थान पर रंगीन आटे का इस्तेमाल किए जा रहा है।

रेलवे स्टेशन पर प्रतिदिन हजारों यात्रियों का आवागमन होता है। इनमें महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल हैं, जो सफर के दौरान स्टेशन पर मिलने वाले खानपान पर निर्भर रहते हैं। ऐसे में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और स्वच्छता में लापरवाही यात्रियों के स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकती है।

स्टेशन निदेशक सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि समोसे और ब्रेड पकोड़े के साथ गुणवत्तायुक्त सॉस का पाउच दिया जाना अनिवार्य है। वेंडर द्वारा बोतल से सॉस डालकर दी जा रही है, तो ये रेलवे नियमों के अनुरूप नहीं है। ऐसा करने वाले वेंडरों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। क्योंकि मामला सीधे यात्रियों की सेहत से जुड़ा है।

दीपावली पर सुरक्षा को लेकर पुलिस अलर्ट, बाजारों से सीमाओं तक पहरा

यूनिक समय, मथुरा। दीपावली के त्योहार पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस पूरी तरह अलर्ट है। एसएसपी के निर्देश पर शहर से लेकर देहात और जनपद की सीमाओं तक पुलिस ने निगरानी बढ़ा दी है। बाजारों, रेलवे स्टेशन, बस अड्डों और संवेदनशील स्थानों पर सघन चेकिंग की जा रही है। संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों पर नजर रखने के साथ प्रमुख स्थानों पर पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है।

शहर में एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह और सीओ सिटी आशना चौधरी ने सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभाल रखी है। दोनों अधिकारी प्रमुख बाजारों और संवेदनशील इलाकों में लगातार गश्त कर व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं। होली गेट सहित प्रमुख बाजारों में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। चौराहों और तिराहों पर पुलिस पिकेट लगाई गई हैं। शहर की संकरी गलियों में भी डायल 112 की बाइकें लगातार गश्त कर रही हैं। एलआईयू सुरक्षा से जुड़ी सूचनाएं जुटाकर अधिकारियों को इनपुट दे रही है। एसएसपी स्वयं भी पूरे जनपद की सुरक्षा व्यवस्था पर नजर बनाए हुए हैं।

उधर, ग्रामीण क्षेत्रों में एसपीआरए आलोक राज नारायण सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी कर रहे हैं। वह देहात के

शहर में एसपी सिटी और सीओ सिटी ने संभाली कमान

विभिन्न इलाकों में पहुंचकर पुलिस की तैयारियों का जायजा ले रहे हैं। सर्राफा बाजारों में दुकानों के आसपास संदिग्ध लोगों पर नजर रखी जा रही है। हरियाणा और राजस्थान की सीमाओं पर विशेष सतर्कता बरती जा रही है।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

खामनी के समीप पानी के गड्ढे में पड़ा मिला युवक का शव

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र स्थित गोवर्धन रोड पर गांव खामनी के समीप सड़क किनारे पानी भरे गड्ढे में एक युवक का शव पड़ा मिला। वहां से कुछ दूरी पर टूटी हुई बाइक भी पड़ी मिली।

खामनी के समीप सड़क किनारे पानी भरे गड्ढे में लोगों ने एक युवक का शव पड़ा देखा। प्रातः वहां से गुजरते लोगों ने शव को देखकर 112 पर सूचना दी। मौके पर पहुंची 112 ने हाईवे थाने को भी इस बारे में सूचना दी। मौके पर पहुंची हाईवे पुलिस ने शव को पानी से बाहर निकलवाया। इसके बाद पुलिस ने वहां से कुछ दूरी पर टूटी पड़ी बाइक को भी अपने कब्जे में लिया। पुलिस के अनुसार मृतक युवक की शिनाख्त सलमान(28) पुत्र ईदा निवासी समसाबाद जिला आगरा के रुप में हुई। बताया गया कि सलमान की गांव खामनी में रिश्तेदारी थी। सलमान भरतपुर गेट स्थित एक बेकरी पर काम करता था। वह शराब पीने का भी आदी था। पुलिस की प्रारंभिक जांच में इस बात की संभावना व्यक्त की जा रही है कि युवक की तेज गति दोड़ती बाइक अनियंत्रित होकर पानी के गड्ढे में गिर गई होगी जिससे युवक की मौत होगई। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक की मौत का सही कराण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता लगेगा।

त्योहार पर ट्रेनों में बढ़ी भीड़, लंबी दूरी की गाड़ियों में सीटें फुल



जंक्शन रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भीड़।

तत्काल टिकट के लिए यात्रियों को करनी पड़ रही मशक्कत

आरक्षण काउंटरों पर लग रही लंबी कतारें

यूनिक समय, मथुरा। त्योहार का सीजन शुरू होते ही जंक्शन रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ बढ़ने लगी है। घर जाने और त्योहार मनाने के लिए लोग बड़ी संख्या में ट्रेनों का सहारा ले रहे हैं। इसके चलते लंबी दूरी की अधिकांश ट्रेनों में सीटें फुल हो चुकी हैं। कंफर्म टिकट नहीं मिलने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

तत्काल टिकट हासिल करने के लिए आरक्षण काउंटरों पर यात्रियों की लंबी कतारें लग रही हैं। सुबह से ही यात्री टिकट के लिए अपनी बारी का इंतजार



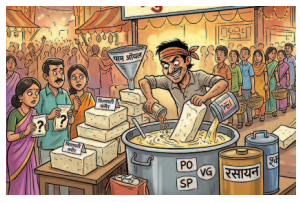
करते नजर आ रहे हैं। कई यात्रियों को तत्काल में भी कंफर्म टिकट नहीं मिल पा रहा है। त्योहार के चलते ट्रेनों में बढ़ती भीड़ को देखते हुए यात्रियों को यात्रा की योजना पहले से बनाने की जरूरत पड़ रही है। रेलवे ने यात्रियों को राहत देने के लिए कई स्पेशल ट्रेन चलाई हैं। साथ ही कई मेमो ट्रेनों को विस्तार दिया गया है। लम्बी दूरी की कई ट्रेनों में अतिरिक्त सामान्य कोच भी लगाए गए हैं।



मिलावटी पनीर खतरनाक शरीर में घोल रहा धीमा जहर

राजस्थान से मथुरा में हो रही सबसे अधिक आपूर्ति

मिलावटखोरों के नेटवर्क पर नहीं कसी नकेल



यूनिक समय, मथुरा। त्योहारों के मौसम में पनीर की मांग बढ़ते ही मिलावटखोर सक्रिय हो जाते हैं। मुनाफे के लालच में दूध से तैयार होने वाले पनीर में पाम ऑयल, वनस्पति घी, सोया प्रोटीन और अन्य रसायनों का इस्तेमाल कर लोगों की सेहत से खिलवाड़ किया जा रहा है। राजस्थान से मथुरा में मिलावटी पनीर की बड़ी खेप पहुंच रही है। खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई के बावजूद मिलावटखोरों का नेटवर्क पूरी तरह ध्वस्त नहीं हो सका है।

मिलावटी पनीर तैयार करने के लिए दूध की वसा के स्थान पर पाम ऑयल और मलाई के स्थान पर वनस्पति वसा का इस्तेमाल किया जाता है। पनीर की मात्रा और वजन बढ़ाने के लिए स्टार्च और सोया प्रोटीन मिलाया जाता है। वहीं अम्लता नियंत्रित करने के लिए सोडियम कार्बोनेट का प्रयोग किया जाता है। इसके अलावा पनीर की बनावट और रंग बेहतर दिखाने के लिए भी विभिन्न पदार्थ मिलाए जाते हैं। देखने में सामान्य लगने वाला यह पनीर शरीर के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है।

खाद्य सुरक्षा विभाग के आंकड़ों के अनुसार, एक साल में जिले में करीब 80 कुंटल मिलावटी पनीर जब्त किया जा चुका है। इनमें सबसे अधिक कोसी, शेरगढ़ क्षेत्र में पकड़ा गया है। इस दौरान पनीर कई नमूने लिए गए, जिनमें कई नमूने जांच में फेल हुए। इसके बावजूद बाजार में मिलावटी पनीर की उपलब्धता चिंता का विषय बनी हुई है।

डॉ. रवी माहेश्वरी का कहना है कि मिलावटी खाद्य पदार्थों के लगातार सेवन से पेट संबंधी समस्याएं, पाचन तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव और अन्य स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां हो सकती हैं। मिलावट में इस्तेमाल रसायनों और घटिया खाद्य तेलों का शरीर पर दुष्प्रभाव पड़ सकता है। सहायक आयुक्त खाद्य डा. जतिन कुमार सिंह ने बताया कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी लगातार सूचनाओं पर काम कर रहे हैं, दो दिन पहले ही 25 कुंतल संदिग्ध पनीर नष्ट कराया है।

ऐसे करें पनीर की पहचान

पनीर को गर्म पानी में डालकर कुछ देर उबालने के बाद उसमें आयोडीन टिंचर की बूंदें डालें। नीला रंग आने पर स्टार्च की मिलावट की आशंका होती है। हालांकि, पनीर की शुद्धता की पुष्टि के लिए प्रयोगशाला जांच ही विश्वसनीय तरीका है। खाद्य पदार्थों में मिलावट की शिकायत टोल फ्री नंबर 1800112100 पर की जा सकती है।



त्योहारों से पहले मीठी चीनी के भाव में कड़वाहट

थोक बाजार में 60 से बढ़कर 65 रुपये किलो पहुंची चीनी

फुटकर में 70 रुपये तक वसूली, बिक्री पर भी पड़ने लगा असर

यूनिक समय, मथुरा। त्योहारों का सीजन शुरू होने से पहले ही चीनी की मिठास महंगी हो गई है। बीते दो दिनों में थोक बाजार में चीनी के भाव में तीन से पांच रुपये प्रति किलो तक का उछाल आया है। 60 रुपये प्रति किलो बिकने वाली चीनी अब बढ़कर 63 से 65 रुपये तक पहुंच गई है। वहीं, फुटकर बाजार में दुकानदार 68 से 70 रुपये प्रति किलो तक कीमत वसूल रहे हैं। अचानक बढ़े दामों ने आम उपभोक्ताओं की रसोई का बजट बिगाड़ने के साथ ही चीनी की बिक्री को भी प्रभावित करना शुरू कर दिया है।

व्यापारियों के अनुसार, त्योहारों के मद्देनजर मिठाई कारोबारियों और घरेलू उपभोक्ताओं की ओर से चीनी की मांग बढ़ी थी। इसके चलते थोक बाजार में मांग का दबाव बढ़ा और कीमतों में उछाल आ गया। महज दो दिनों में तीन से पांच रुपये प्रति किलो की बढ़ोतरी का असर फुटकर बाजार पर भी दिखाई देने लगा है। दुकानदारों के अनुसार, दाम बढ़ने से ग्राहक जरूरत के हिसाब से ही चीनी खरीद रहे हैं। पहले जहां लोग पांच से दस किलो तक चीनी खरीद लेते थे, वहीं अब एक-दो किलो से काम चला रहे हैं। कुछ ग्राहक कीमतों में और गिरावट आने का इंतजार कर रहे हैं। इससे फुटकर बिक्री की रफ्तार प्रभावित हुई है।

चीनी महंगी होने का असर मिठाई कारोबार पर भी पड़ने की आशंका है। मिठाई तैयार करने वाले दुकानदारों की लागत बढ़ रही है। हालांकि व्यापारियों का कहना है कि त्योहारों की मांग अब काफी हद तक पूरी हो चुकी है। इसके साथ ही चीनी मिलों में उत्पादन भी शुरू हो गया है। ऐसे में बाजार में आपूर्ति बेहतर होने की उम्मीद है।

कारोबारियों का अनुमान है कि मांग में कमी और मिलों से नई चीनी की आवक बढ़ने पर कीमतों में स्थिरता आ सकती है।

फिलहाल उपभोक्ताओं को महंगी चीनी खरीदनी पड़ रही है और दुकानदारों को बिक्री बनाए रखने के लिए मशक्कत करनी पड़ रही है।

प्रयागराज में 19 नवंबर को होगी 41वीं इंदिरा मैराथन

यूनिक समय, मथुरा। खेल निदेशालय के तत्वावधान में 41वीं अखिल भारतीय प्राइजमनी इंदिरा मैराथन का आयोजन 19 नवंबर को प्रयागराज में किया जाएगा। प्रतियोगिता में राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर के धावक-धाविकाएं प्रतिभाग करेंगे। जिले के इच्छुक खिलाड़ी भी इसमें हिस्सा ले सकते हैं। इसके लिए 17 नवंबर तक पंजीकरण कराना अनिवार्य है।

उप क्रीड़ा अधिकारी आजाद सिंह ने बताया कि क्षेत्रीय खेल कार्यालय प्रयागराज और जिला प्रशासन की ओर से आयोजित मैराथन का शुभारंभ सुबह 6:30 बजे ऐतिहासिक आनंद भवन से होगा। प्रतियोगिता में 42.195 किलोमीटर की फुल मैराथन और 21.097 किलोमीटर की हाफ मैराथन आयोजित की जाएगी। दोनों स्पर्धाओं में पुरुष और महिला वर्ग के लिए अलग-अलग पुरस्कार निर्धारित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ी अपनी प्रविष्टि क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी, मदन मोहन मालवीय स्टेडियम, कंपनीबाग, प्रयागराज के पते पर भेज सकते हैं। पंजीकरण की अंतिम तिथि 17 नवंबर है।



दीपावली पर शहीदों की स्मृति में जलाए दीप, दी श्रद्धांजलि

यूनिक समय, मथुरा। पांच दिवसीय ज्योति पर्व दीपावली पर अमर शहीदों की स्मृति में पूर्व सैनिक संघ के संयोजन में एक दीप शहीदों के नाम कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान योद्धा चौक, जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय परिसर स्थित शहीद सैनिक स्मारक पर दीप प्रज्वलित कर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। योद्धा चौक पर पंडित ईश्वरी प्रसाद, उत्तर प्रदेश इंडियन एक्स नगेश, कैप्टन हरिहर शर्मा, कैप्टन भंवर सिंह और कैप्टन जवाहरलाल ने दीप जलाए। वहीं शहीद सैनिक स्मारक पर तेजवीर सिंह, खेमचंद शर्मा, जवाहरलाल, प्रेम सिंह और शीशपाल सिंह ने दीप प्रज्वलित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम में हरि ओम तिवारी, मनोज कुलश्रेष्ठ, राजेश शर्मा, विजय शर्मा, राधा चरण, श्याम सुंदर बेनीवाल, नरेश यादव, रणधीर सिंह, वीर नारी सीमा, सुधा, त्रिवेणी तथा शशि ने भी शहीदों को श्रद्धांजलि दी। सभी ने दीप जलाकर देश की रक्षा में प्राण न्योछावर करने वाले वीर जवानों के बलिदान को याद किया।

पटाखों की दुकानों पर डीएम-एसएसपी ने परखीं सुरक्षा

रामलीला मैदान में फायर एक्सटिंग्विशर की खुद जांची एक्सपायरी, लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी


आग बुझाने वाले सिलेंडर की एक्सपायरी देखते डीएम चंद्रप्रकाश सिंह।

यूनिक समय, मथुरा। दीपावली पर पटाखों की बिक्री के दौरान अग्निकांड की आशंका को देखते हुए शनिवार को डीएम चंद्र प्रकाश सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार ने रामलीला मैदान में लगी पटाखों की दुकानों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने अग्निशामक यंत्रों की कार्यशीलता और एक्सपायरी स्वयं जांची। दुकानदारों को सुरक्षा मानकों का शत-प्रतिशत पालन करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने दुकानों पर फायर एक्सटिंग्विशर, बालू, पानी और अन्य अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता देखी। अग्निशमन कर्मियों ने फायर एक्सटिंग्विशर चलाने का व्यावहारिक प्रदर्शन भी किया। डीएम ने निर्देश दिए कि दुकानदारों और कर्मचारियों को आग बुझाने वाले उपकरणों के इस्तेमाल की पूरी जानकारी होनी चाहिए, ताकि आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सके। डीएम ने पटाखा विक्रेताओं से निर्धारित स्थानों पर ही बिक्री करने और दुकानों में ज्वलनशील सामग्री नहीं रखने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि जनसुरक्षा सर्वोपरि है। सुरक्षा इंतजामों में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। आसपास के अस्पतालों की जानकारी भी दुकानदारों और कर्मचारियों को होनी चाहिए।

एसएसपी ने पुलिसकर्मियों को दुकानों और आसपास के क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखने, भीड़ नियंत्रित करने, आवागमन सुचारु बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी अप्रिय घटना की सूचना पर पुलिस तत्काल कार्रवाई के लिए तैयार रहे।

महंगे दाम भी नहीं रोक पाए खरीदारी का उत्साह



शनिवार को महाविद्या रामलीला मैदान में सजाई गई आतिशबाजी की दुकान।

दीपावली पर मिठाई और आतिशबाजी की जमकर हुई खरीदारी

शहर से देहात तक बाजारों में उमड़ी भीड़ सुबह से देर शाम तक गुलजार रहीं दुकानें

यूनिक समय, मथुरा। महंगाई के बावजूद दीपावली पर खरीदारी का उत्साह कम नहीं हुआ। शहर से लेकर देहात तक बाजारों में सुबह से देर शाम तक रौनक बनी रही। मिठाई की दुकानों से लेकर आतिशबाजी के बाजार तक खरीदारों की भीड़ उमड़ी। लोगों ने पूजा, प्रसाद और मेहमानों की आवभगत के लिए जमकर मिठाइयां खरीदीं तो बच्चों से लेकर बड़ों तक ने आतिशबाजी की खरीदारी में उत्साह दिखाया।

दीपावली के दिन सुबह से ही बाजारों में ग्राहकों की आवाजाही शुरू हो गई। मिठाई की दुकानों पर पांच तरह की मिठाइयों की मांग दिखाई दी। कोई परिवार के लिए मिठाई खरीद रहा था तो कोई रिश्तेदारों और परिचितों को उपहार देने के लिए मिठाई के डिब्बे लेकर जाता नजर आया। दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ के चलते देर शाम तक कारोबार चलता रहा। वहीं आतिशबाजी की दुकानों पर भी खरीदारों का तांता लगा रहा। बच्चों में पटाखे और फुलझड़ियां खरीदने का खास उत्साह दिखाई दिया। परिवार के लोग भी बच्चों की पसंद के अनुसार आतिशबाजी खरीदते नजर आए। महंगाई के बीच भी त्योहार की खुशियों पर खर्च करने में लोगों ने कंजूसी नहीं दिखाई। बाजारों की रौनक ने कारोबारियों के चेहरों पर भी खुशी ला दी।

झिलमिल रोशनी से निखरी कान्हा की नगरी, दुल्हन सा दमका मथुरा

यूनिक समय, मथुरा। दीपावली पर्व से पहले ही कान्हा की नगरी रोशनी के रंगों में नहाने लगी है। शहर के प्रमुख चौराहों, सड़कों और मार्गों पर रंग-बिरंगी झालरों और आकर्षक लाइटों की सजावट ने उत्सवी माहौल बना दिया है। भूतेश्वर तिराहे से लेकर शहर के प्रमुख मार्गों तक बिजली के खंभों और सड़कों के किनारे जगमगाती रोशनी मथुरा की खूबसूरती में चार चांद लगा रही है। दीपावली से पहले शहर को सजाने का काम जोर-शोर से चल रहा है। दिन में बिजली के खंभों पर झालरें लगाने और सजावट को अंतिम रूप देने का काम दिखाई देता है, जबकि शाम ढलते ही रंगीन लाइटों की चमक राहगीरों को आकर्षित करने लगती है। रोशनी से सजे चौराहे और मार्ग ऐसा नजारा पेश कर रहे हैं, मानो पूरी नगरी ने उत्सव के स्वागत में रोशनी की चादर ओढ़ ली हो। भगवान श्रीराम के 14 वर्ष का वनवास पूरा कर अयोध्या लौटने की खुशी में दीप जलाकर उनका स्वागत करने की परंपरा से जुड़े इस पर्व की रौनक अब कान्हा की नगरी में भी दिखाई देने लगी है। शहर के बाजारों में भी त्योहार की तैयारियां तेज हो गई हैं। दुकानों पर रंगीन लाइटों, सजावटी झालरों, दीपकों और पूजन सामग्री की खरीदारी के लिए ग्राहक पहुंचने लगे हैं। दीपावली से पहले ही मथुरा का जगमगाता स्वरूप लोगों के आकर्षण का केंद्र बन गया है।

खील-बताशों से सजे बाजार, खरीदारी को उमड़े ग्राहक

यूनिक समय, मथुरा। दीपावली की दस्तक के साथ ही बाजारों में त्योहार का रंग चढ़ने लगा है। खील-बताशों से सजी दुकानें, रंग-बिरंगे खिलौने और मोमबत्तियों की चमक खरीदारों को आकर्षित कर रही है। पूजा की तैयारियों में जुटे लोग परिवार के साथ बाजारों में पहुंचकर जमकर खरीदारी कर रहे हैं। शहर से लेकर कस्बों तक दीपावली का उल्लास दिखाई देने लगा है। बाजारों में खील, बताशे, गोला, मोमबत्ती और खिलौनों की दुकानों पर ग्राहकों की आवाजाही बढ़ गई है। कोई लक्ष्मी-गणेश पूजन के लिए खील-बताशे खरीद रहा है तो कोई पूजा में चढ़ाने के लिए गोला पसंद कर रहा है। बच्चों की पसंद के रंग-बिरंगे खिलौने भी दुकानों पर आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। शाम होते ही बाजारों की रौनक और बढ़ रही है। परिवार के साथ खरीदारी करने निकल रहे लोगों से प्रमुख बाजार गुलजार नजर आ रहे हैं। दुकानदारों ने भी ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए दुकानों को आकर्षक ढंग से सजाया है।

फूलों पर महंगाई की मार, गुलाब की माला 150 रुपये की



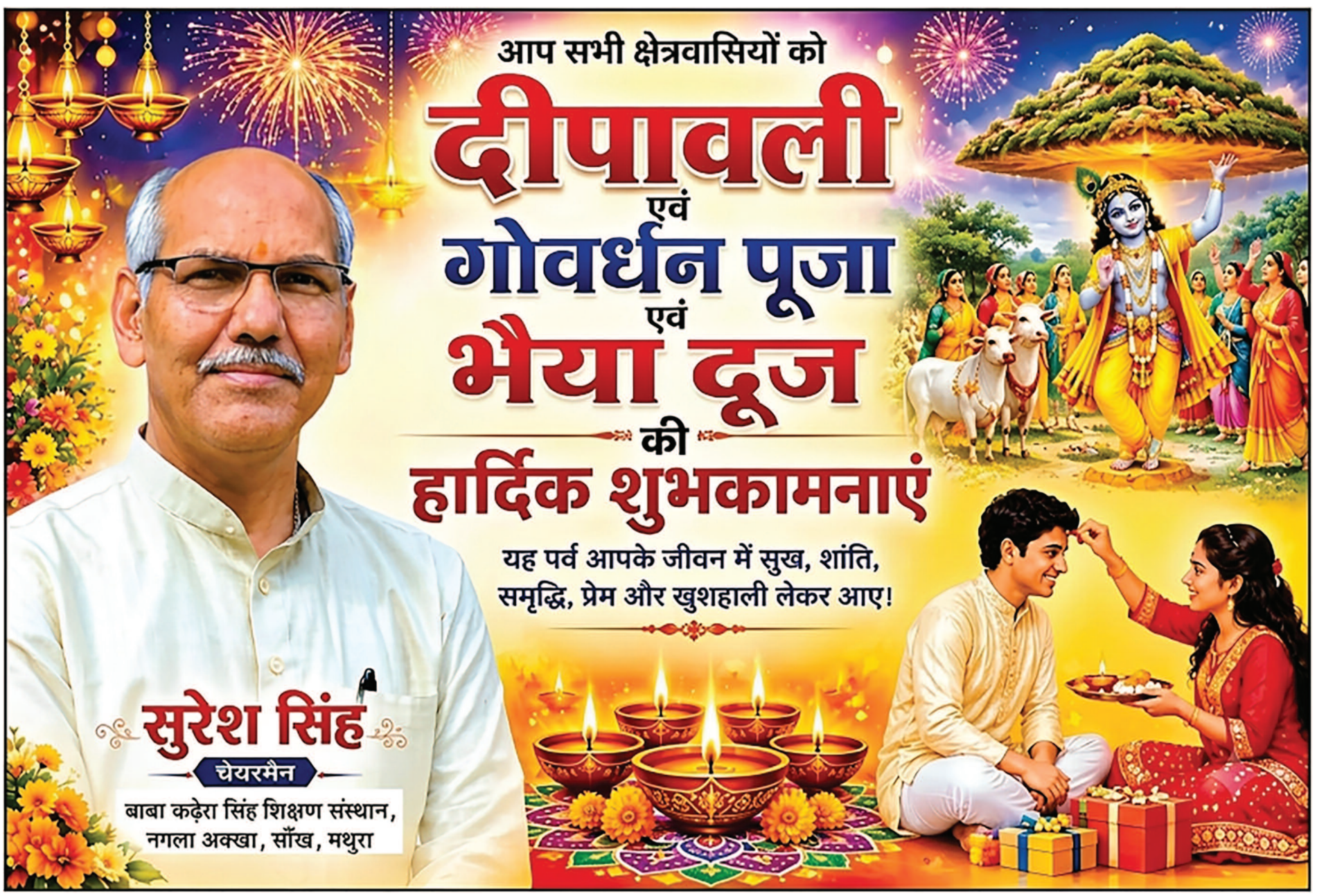
यूनिक समय, वृंदावन। दीपावली की रौनक के बीच फूलों के बाजार में भी महंगाई ने रंग दिखाना शुरू कर दिया है। पूजा-अर्चना और घरों की सजावट में इस्तेमाल होने वाले गुलाब, कमल और मोगरे के दाम बढ़ गए हैं। फूल महंगे होने का सीधा असर मालाओं की कीमतों पर पड़ा है। गुलाब की माला 150 रुपये और कमल की माला 200 रुपये तक पहुंच गई है।

फूल विक्रेता राजेश के अनुसार, त्योहारों के चलते फूलों की मांग बढ़ी है। पहले मंडी में गुलाब 200 से 250 रुपये किलो मिलता था, लेकिन अब इसकी कीमत 400 रुपये किलो हो गई है। इसके चलते गुलाब की माला के दाम भी बढ़ाने पड़े हैं। जो माला पहले 80 से 100 रुपये में बिकती थी, अब उसके लिए 150 कमल के फूलों की कीमतों में भी तेजी

दीपावली पर मांग बढ़ते ही फूलों के दामों में उछाल, कमल का फूल 30 रुपये तक पहुंचा

आई है। पहले 10 से 15 रुपये में मिलने वाला एक कमल अब 30 रुपये तक बिक रहा है। कमल की माला की कीमत भी बढ़कर 200 रुपये हो गई है। वहीं मोगरे के दाम भी बढ़कर 50 रुपये तक पहुंच गए हैं।

धनतेरस और दीपावली पर मंदिरों में सजावट, पूजन और घरों को आकर्षक बनाने के लिए फूलों की मांग बढ़ गई है। ऐसे में बाजार में ग्राहकों की आवाजाही तो बढ़ी है, लेकिन महंगी मालाओं ने खरीदारों का बजट भी बिगाड़ दिया है। त्योहार की खुशबू अब जेब पर भारी पड़ने लगी है।



जाम से कराहता रहा शहर



कृष्णा नगर चौराहे पर रस्सा बांधते पुलिसकर्मी।

यूनिक समय, मथुरा। छोटी दीपावली पर भी शहरवासियों को जाम की समस्या से राहत नहीं मिली। शहर का शायद ही कोई चौराहा या तिराहा ऐसा रहा हो, जहां वाहनों की लंबी कतारें न लगी हों। बाजारों में खरीदारी के लिए उमड़ी भीड़ के चलते यातायात व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित रही। जाम के कारण लोगों को अपने वाहन खड़े करने तक की जगह नहीं मिली। इसका असर कारोबार पर भी पड़ा और दुकानदारों के साथ ग्राहकों को परेशानी उठानी पड़ी। जाम से निजात दिलाने के लिए यातायात पुलिस द्वारा किए गए इंतजाम नाकाफी साबित हुए। देर तक वाहन रेंगते रहे और लोग जाम में फंसे रहे।

कृष्णा नगर पुलिस की पहल से मिली राहत

यूनिक समय, मथुरा। कृष्णा नगर चौराहे पर लगे जाम से निजात दिलाने के लिए चौकी प्रभारी द्वारा की गई पहल से लोगों को जाम से राहत मिल गई। पुलिस ने कृष्णा नगर के मुख्य चौराहे को रस्सा लगा कर बंद कर दिया। जिससे राधा नगर और कृष्णा नगर बाजार से आने वाले वाहन थम गए। इससे चौराहा जाम मुक्त दिखाई दिया।

पोस्टर-बैनर लगाकर यात्रियों को रेलवे सुरक्षा के प्रति किया जागरूक



यात्रियों को जानकारी देते जीआरपी थाना प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह।

यूनिक समय, मथुरा। जंक्शन रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया। इसके तहत स्टेशन परिसर में पोस्टर और बैनर लगाकर संभ्रांत नागरिकों और यात्रियों को ट्रेन पर पत्थर फेंकने, रेलवे पटरी को नुकसान पहुंचाने जैसी घटनाओं के दुष्परिणामों की जानकारी दी गई।

इस बारे में जानकारी देते हुए जीआरपी थाना प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह ने जानकारी दी। उन्होंने लोगों को बताया गया कि इस तरह की घटनाएं रेल यात्रियों की जान के लिए खतरा बन सकती हैं। साथ ही रेलवे अधिनियम की धारा 152 के प्रावधानों से भी अवगत कराया गया। लोगों को समझाया गया कि रेलवे संपत्ति को नुकसान पहुंचाना और रेल संचालन में बाधा डालना गंभीर अपराध है, जिसके लिए कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है। रेलवे की ओर से लोगों से अपील की गई कि वे इस तरह की असामाजिक गतिविधियों से दूर रहें और कहीं भी ऐसी घटना की जानकारी मिलने पर तत्काल रेलवे सुरक्षा बल को सूचित करें।

तीन थाना क्षेत्रों में पुलिस की कार्रवाई, पांच गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने अलग-अलग थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से तीन देशी तमंचे और कारतूस बरामद किए गए हैं। वहीं, मारपीट और हत्या के प्रयास के मामले में वांछित चल रहे दो आरोपियों को भी पुलिस ने दबोचा है।

गोविंदनगर पुलिस ने पुरानी रेलवे लाइन पुलिया के समीप से मनवीर सिंह निवासी बैकुंठ बिहार को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक देशी तमंचा और कारतूस बरामद हुए। उधर, गोवर्धन पुलिस ने माधुरी कुंड के समीप से मारपीट और हत्या के प्रयास के मामले में वांछित ब्रह्म प्रकाश और राम प्रकाश निवासी माधुरी कुंड को गिरफ्तार किया। इसी क्रम में रिफाइनरी पुलिस ने चेकिंग के दौरान बाद पुल के समीप से राहुल निवासी पुष्पांजलि एंक्लेव, थाना गोविंदनगर और सोनू निवासी तत्त्वदर्शी कॉलोनी, थाना हाईवे को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार दोनों के कब्जे से दो देशी तमंचे और कारतूस बरामद किए गए हैं।

वीरेंद्र यादव दोबारा बने सपा के जिलाध्यक्ष

यूनिक समय, मथुरा। समाजवादी पार्टी ने एक बार फिर बरारी निवासी वीरेंद्र यादव पर भरोसा जताते हुए उन्हें पार्टी का जिलाध्यक्ष बनाया है। दोबारा जिलाध्यक्ष बनाए जाने की जानकारी मिलते ही पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। कार्यकर्ताओं ने उनका फूल-मालाओं से स्वागत किया, वीरेंद्र यादव को दोबारा जिलाध्यक्ष बनाए जाने पर बधाई दी। कार्यकर्ताओं ने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने उन्हें फिर से जिम्मेदारी सौंपकर उन पर विश्वास जताया है।







रंगोली ने मोहा मन, दीपों से जगमगाया केशवदेव मंदिर

यूनिक समय, मथुरा। प्राचीन ठाकुर श्री केशवदेव मंदिर में दीपदान उत्सव से पूर्व भक्ति और कला का अनूठा संगम देखने को मिला। सर्वोदयी ब्राह्मण विकास संस्थान की महिला सभा की उपाध्यक्ष-मुख्यमंत्री से सम्मानित समाज सुधारक और आर्टिस्ट डॉ. उमा शर्मा के नेतृत्व में पीएचडी कमलेश्वर शर्मा ने मंदिर प्रांगण में राधा-कृष्ण की मनोहारी छवि रंगोली के रूप में सजाई। आकर्षक रंगोली ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया।

रंगोली की सुंदरता से प्रभावित होकर संस्थान के अध्यक्ष पंडित सोहनलाल शर्मा और नारायण प्रसाद शर्मा ने डॉ. उमा शर्मा, कमलेश्वर शर्मा को 1100 रुपये की नकद राशि और ठाकुरजी की छवि भेंटकर सम्मानित किया।



श्री केशवदेव मंदिर में सजाई गई राधा- कृष्ण की रंगोली।

इसके बाद मंदिर प्रांगण में 1100 दीप प्रज्वलित किए गए। जनता जनार्दन और मंदिर सेवायत गौरव गोस्वामी एडवोकेट ने दीप जलाकर परिसर को रोशनी से जगमगा दिया। इससे पूर्व लक्ष्मी-गणेश का पूजन किया गया। ठाकुरजी को नवीन पोशाक धारण कराकर आकर्षक बंगला सजाया गया। पूजन के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर बसंती देवी, उषा गोस्वामी, बिहारी लाल गोस्वामी, डॉ. जमुना शर्मा, गिर्राज शरण गोस्वामी और नारायण प्रसाद शर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

डॉ. उमा शर्मा और कमलेश्वर शर्मा को 1100 रुपये, ठाकुरजी की छवि देकर किया सम्मानित



जमीन के नाम पर 30 लाख की धोखाधड़ी का आरोप

यूनिक समय, मथुरा। जमीन की खरीद-फरोख्त के नाम पर 30 लाख रुपये लेने के बाद बैनामा नहीं करने और कथित रूप से उसी जमीन के दोबारा बैनामे कराने का मामला सामने आया है। थाना हाईवे पुलिस ने शिकायत के आधार पर सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

कर्मयोगी नगर निवासी नरेंद्र सिंह ने पुलिस को बताया कि वह कान्हा डेवलपर्स साझेदारी फर्म के साझेदार हैं। आरोप है कि नरहौली निवासी फतेह सिंह, भगवान सिंह और सज्जन ने मौजा नरहौली स्थित खाता संख्या 00187, 00188 और 00190 की कुल 0.6830 हेक्टेयर जमीन का 30 लाख रुपये में विक्रय अनुबंध किया था। इसके एवज में तीन लाख रुपये के तीन चेक दिए गए। बाद में अलग-अलग चेकों के माध्यम से अन्य धनराशि भी दी गई।

नरेंद्र सिंह का आरोप है कि जमीन का बैनामा करने के बजाय आरोपियों ने कथित रूप से धोखाधड़ी कर उसी जमीन के दो बैनामे अन्य लोगों के नाम करा दिए।

इनमें विमला देवी निवासी गोपालगढ़, छटीकरा, थाना जैत के अलावा अंश कुमार, जुबराइल खान और श्रवण कुमार के नाम शामिल हैं। शिकायत पर पुलिस ने छह नवंबर को सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।



राजीव एकेडमी के दो प्राध्यापकों को अंतरराष्ट्रीय सम्मान



उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय के हाथों सम्मान प्राप्त करते राजीव एकेडमी फॉर फार्मेसी के प्राध्यापक।

यूनिक समय, मथुरा। राजीव एकेडमी फॉर फार्मेसी के दो प्राध्यापकों ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी शोध और अकादमिक प्रतिभा का परचम लहराया है। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा में आयोजित तृतीय अंतरराष्ट्रीय बहुविषयक शोध एवं अभ्यास सम्मेलन (आईसीएमआरपी-2026) में संस्थान के असिस्टेंट प्रोफेसर कुलदीप सिंह और लक्ष्मीकांत को प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि से संस्थान में खुशी का माहौल है।

सम्मेलन में फार्माकोलॉजी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर कुलदीप सिंह को युवा वैज्ञानिक पुरस्कार-2026 और फार्मास्यूटिकल केमिस्ट्री विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर लक्ष्मीकांत को युवा शिक्षाविद् पुरस्कार-2026 प्रदान किया गया। कुलदीप सिंह को यह सम्मान उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने प्रदान किया। दोनों प्राध्यापकों को उनके विषयगत योगदान, शोध कार्यों और अकादमिक उपलब्धियों के लिए चुना गया।

सम्मेलन में देश-विदेश के शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों ने सहभागिता की। ऐसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर संस्थान के दो शिक्षकों को सम्मान मिलना राजीव एकेडमी की शोध संस्कृति और शैक्षणिक गुणवत्ता को दर्शाता है। इस उपलब्धि पर दोनों प्राध्यापकों ने संस्थान के निदेशक प्रो. (डॉ.) हिमांशु चोपड़ा के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि निदेशक के मार्गदर्शन, प्रेरणा और सहयोग से उन्हें शैक्षणिक-शोध कार्यों में निरंतर बेहतर प्रदर्शन करने का अवसर मिला।

संस्थान के चेयरमैन डॉ. रामकिशोर अग्रवाल ने दोनों प्राध्यापकों को बधाई देते हुए कहा कि किसी शिक्षण संस्थान की पहचान उसके विद्यार्थियों के साथ-साथ शिक्षकों की शैक्षणिक उत्कृष्टता, शोध क्षमता और नवाचार से बनती है। दोनों शिक्षकों को मिला अंतरराष्ट्रीय सम्मान संस्थान के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि राजीव एकेडमी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ शिक्षकों को शोध और नवाचार के लिए भी प्रोत्साहित करती है। यह उपलब्धि अन्य शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी। इस अवसर पर संस्थान के प्रबंधन, निदेशक, प्राध्यापकों और कर्मचारियों ने दोनों शिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कुलदीप सिंह को युवा वैज्ञानिक और लक्ष्मीकांत को युवा शिक्षाविद् पुरस्कार उच्च शिक्षा मंत्री ने किया सम्मानित



पिता-पुत्र के साथ मारपीट जान से मारने की धमकी

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र के नवीपुर गांव में पिता और भाई के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने दोनों के साथ लाठी-डंडों से मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नवीपुर निवासी मुकेश पुत्र बनवारी ने पुलिस को बताया कि छह नवंबर की रात उनके पिता घर के बाहर खड़े थे। इसी दौरान गांव के राजू, उत्तम और विजय वहां पहुंच गए। आरोप है कि तीनों ने पिता के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर लाठी-डंडों से मारपीट कर दी। पिता को बचाने पहुंचे उनके भाई उमेश को भी आरोपियों ने पीटा। इसके बाद जान से मारने की धमकी देकर चले गए।

दीपावली पर जिला अस्पताल से डॉक्टर नदारद, ओपीडी में सन्नाटा

चर्मरोग और बाल रोग विशेषज्ञ के चेंबर मिले खाली, सीएमएस कार्यालय से भी गायब मिले जिम्मेदार

यूनिक समय, मथुरा। छोटी दीपावली पर जिला अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाएं भी सुस्त नजर आईं। रोजाना एक हजार से अधिक मरीजों की आवाजाही वाले अस्पताल की ओपीडी में शुक्रवार को सन्नाटा पसरा रहा। मरीजों की संख्या कम होने के साथ डॉक्टरों की गैरमौजूदगी ने व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए। चर्मरोग और बाल रोग विशेषज्ञ के चेंबर खाली मिले, वहीं पर्चा काउंटर पर भी सन्नाटा रहा।



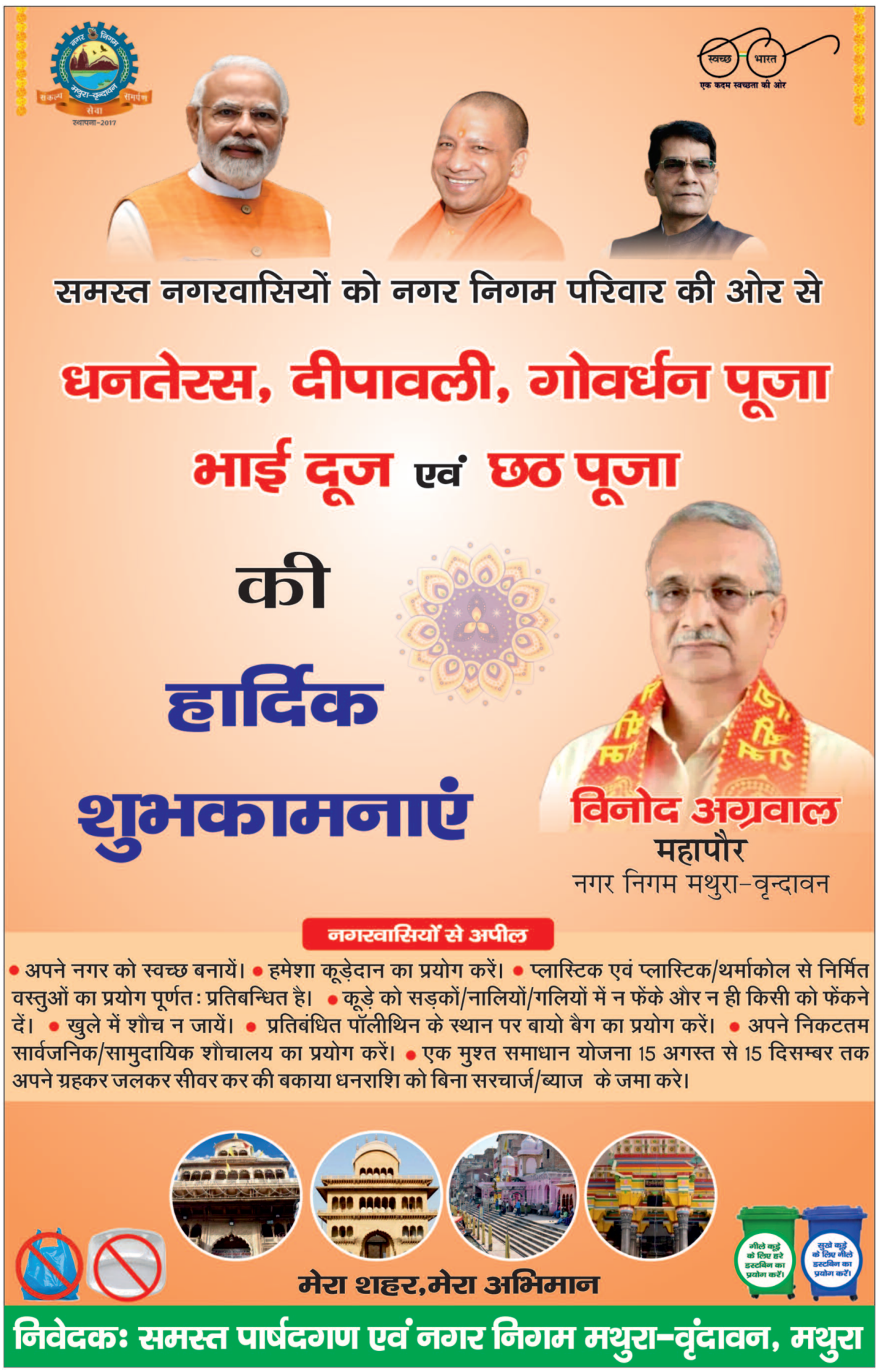
बाल रोग विशेषज्ञ की खाली पड़ी सीट।



पर्चा काउंटर पर पसरा सन्नाटा।

अस्पताल पहुंचे मरीज डॉक्टरों का इंतजार करते रहे। बच्चे को दिखाने आए सलमान ने बताया कि वह काफी देर से बाल रोग विशेषज्ञ के चेंबर के बाहर बैठे हैं, लेकिन डॉक्टर नहीं पहुंचे। चर्मरोग विशेषज्ञ को दिखाने आए शरीफ ने भी डॉक्टर के न मिलने की शिकायत की। उनका कहना था कि सीएमएस से शिकायत करने पहुंचे तो वह भी कार्यालय में मौजूद नहीं मिले। ऐसे में मरीज अपनी परेशानी किससे कहें। यूनिक समय टीम के जायजे में ओपीडी के कई कक्ष खाली मिले। आम दिनों में मरीजों की लंबी कतारों वाले अस्पताल में इक्का-दुक्का मरीज ही दिखाई दिए। हालांकि मरीजों की संख्या कम होने के बावजूद निर्धारित समय में डॉक्टरों की उपलब्धता सुनिश्चित करना अस्पताल प्रशासन की जिम्मेदारी है।

त्योहार के नाम पर क्या सरकारी अस्पतालों में ड्यूटी की जिम्मेदारी भी हल्की हो जाती है। मरीज इलाज की उम्मीद लेकर अस्पताल पहुंचते हैं, ऐसे में डॉक्टरों की अनुपस्थिति उन्हें परेशानी में डालती है। अस्पताल प्रशासन को ओपीडी में चिकित्सकों की उपस्थिति सुनिश्चित करने की जरूरत है।













सम्पादकीय

चंद सेकंड का रोमांच,दे सकता है जिंदगी भर का दर्द

दीपावली खुशियों का त्योहार है, लेकिन जरा सोचिए कि जिस पटाखे की आवाज सुनकर बच्चे खिलखिलाते हैं, वही किसी परिवार की जिंदगी में मातम का कारण बन जाए तो? त्योहार की रात आसमान रोशनी से चमक रहा हो और किसी घर का चिराग अस्पताल के बिस्तर पर दर्द से कराह रहा हो, इससे बड़ी विडंबना क्या होगी? मथुरा जैसे धार्मिक और पर्यटन नगरी में दीपावली का उत्साह कुछ अलग ही दिखाई देता है। बाजारों से लेकर गलियों तक रौनक रहती है, लेकिन इसी उत्साह में सुरक्षा को भूल जाना भारी पड़ सकता है।



पवन गौतम
संपादक

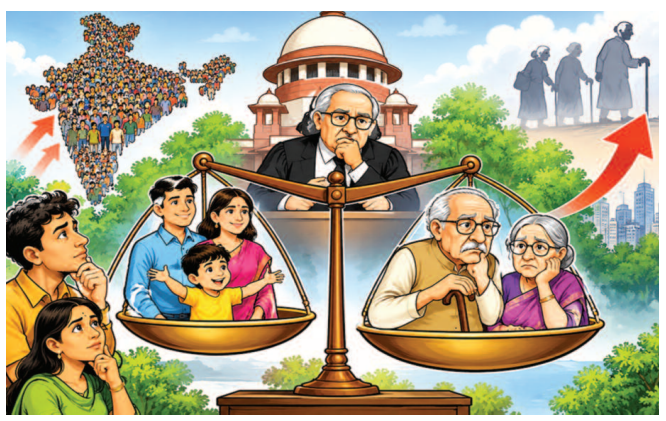
पटाखों के प्रति बच्चों का आकर्षण समझा जा सकता है। कई बार आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चे दूसरों को आतिशबाजी करते देखकर खुद भी इस रोमांच का हिस्सा बनना चाहते हैं। गुजरात में तीन किशोरों के फेंके हुए पटाखों के कचरे में विस्फोट से घायल होने की घटना इसी लापरवाही का आईना है। सवाल है कि आखिर पटाखों का कचरा ऐसी जगह क्यों पहुंचता है, जहां बच्चे और आम लोग आसानी से पहुंच सकें? क्या खुशियां तलाशते बच्चों की सुरक्षा की जिम्मेदारी किसी की नहीं? मथुरा–वृंदावन में दीपावली पर बाजारों, प्रमुख मार्गों और रिहायशी इलाकों में भीड़ बढ़ जाती है। ऐसे में सड़कों पर पटाखे फोड़ना, वाहनों के बीच आतिशबाजी करना और बिना निगरानी बच्चों को पटाखे थमा देना किसी बड़े हादसे को न्योता देने जैसा है। ऊपर से धुएं और शोर का ऐसा संगम बनता है कि त्योहार कम और परीक्षा ज्यादा लगने लगता है। कुछ लोगों की आतिशबाजी का रोमांच दूसरों के लिए परेशानी बन जाता है। प्रशासन की जिम्मेदारी भी केवल पटाखों की दुकानों पर जांच और औपचारिक अपील जारी करने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। बाजारों में सुरक्षा व्यवस्था, अग्निशमन दल की तैनाती, आपातकालीन चिकित्सा सुविधाएं और खतरनाक पटाखों की बिक्री पर निगरानी जरूरी है। पटाखा निर्माताओं और विक्रेताओं को भी यह समझना होगा कि मुनाफे से ज्यादा महत्वपूर्ण लोगों की जान है। अभिभावकों को भी बच्चों की खुशी के नाम पर लापरवाही का लाइसेंस नहीं देना चाहिए। खुले स्थान पर सुरक्षित तरीके से आतिशबाजी करें, बच्चों को अकेले पटाखे न चलाने दें और फेंके हुए या बिना फूटे पटाखों को बिल्कुल न छुएं। आखिर दीपावली की सफलता इस बात से तय नहीं होगी कि किसने कितने पटाखे फोड़े या किसके घर कितनी झालरें लगीं। असली खुशी तब होगी, जब अगली सुबह मथुरा का हर परिवार सुरक्षित हो, अस्पतालों में हादसों के मरीजों की भीड़ न हो और हर बच्चे के चेहरे पर मुस्कान हो। याद रखिए, दीपावली में दीप जलने चाहिए, किसी की जिंदगी नहीं बुझनी चाहिए।

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

आबादी बढ़ी, बच्चे घटे, अब बूढ़े भारत की बढ़ेगी चिंता

बोध प्रकाश सगुणी



भारत में जनसंख्या का मद्दा भी गजब है। जब आबादी तेजी से बढ़ रही थी, तब चिंता थी कि देश में इतने लोगों को खिलाएंगे क्या, रोजगार कहां से देंगे और संसाधन कहां से लाएंगे? अब आबादी बढ़ने की रफ्तार के बीच बच्चों की संख्या घट रही है तो चिंता का नया अध्याय खुल गया है। यानी कल तक बच्चे कम करने की सलाह दी जा रही थी, अब भविष्य में बच्चे पैदा करने की जरूरत समझाई जा रही है। लगता है जनसंख्या पर देश की चिंता भी मौसम की तरह करवट बदल रही है। कभी ज्यादा बच्चे समस्या थे, अब कम बच्चे भविष्य की चुनौती बनते दिखाई दे रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट की ताजा टिप्पणी ने इसी बदलती तस्वीर को देश के सामने रख दिया है। दो से अधिक संतान होने पर पंचायत चुनाव लड़ने से रोकने वाले कानूनों की प्रासंगिकता पर अदालत ने गंभीर सवाल उठाए हैं। महाराष्ट्र की पूर्व सरपंच मंगला भीमराव इंगले के मामले में 2003 के जावेद बनाम हरियाणा राज्य फैसले पर पुनर्विचार के लिए मामला बड़ी पीठ को भेजा गया है। यह कोई सामान्य कानूनी बहस नहीं है। इसके पीछे देश की बदलती जनसंख्या, घटती प्रजनन दर और भविष्य की आर्थिक चुनौतियों का बड़ा सवाल छिपा है। हालांकि अभी इसे पुराने कानूनों का खात्मा मान लेना जल्दबाजी होगी, लेकिन बहस का दरवाजा जरूर खुल गया है।

जरा आंकड़ों पर नजर डालिए। वर्ष 2003 में भारत की कुल प्रजनन दर 3.02 थी, जो 2024 में घटकर करीब 1.9 रह गई। प्रतिस्थापन प्रजनन दर 2.1 मानी जाती है। इसका मतलब है कि औसतन एक महिला के बच्चों की संख्या इतनी होनी चाहिए कि अगली पीढ़ी में आबादी का संतुलन बना रहे। भारत इस स्तर से नीचे पहुंच चुका है। कभी परिवार नियोजन के पोस्टर दीवारों पर चिपकाकर दो बच्चों का संदेश दिया जाता था। अब सवाल यह है कि जब परिवार खुद ही छोटा होता जा रहा है तो कानून की लाठी से उसे और छोटा करने की जरूरत आखिर किसे है?

विडंबना देखिए, देश की कुल आबादी अभी भी बढ़ रही है, लेकिन परिवारों में बच्चों की संख्या कम हो रही है। इसे जनसांख्यिकीय गति यानी डेमोग्राफिक मोमेंटम कहते हैं। पिछली पीढ़ियों में पैदा हुई बड़ी आबादी अब युवा और प्रजनन योग्य उम्र में है। इसलिए जन्म दर घटने के बावजूद कुल आबादी कुछ समय तक बढ़ सकती है। लेकिन जनसंख्या के आंकड़े देखकर केवल यह कहना कि देश में लोग बहुत ज्यादा हो गए हैं, वैसा ही है जैसे किसी भरे हुए रेलवे स्टेशन को देखकर यह मान लेना कि हर ट्रेन में सीटें भी भरी होंगी। असली तस्वीर समझने के लिए आंकड़ों की गहराई में उतरना पड़ेगा।

देश के सभी राज्यों की स्थिति भी एक जैसी नहीं है। बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में प्रजनन दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है, जबकि महाराष्ट्र, दिल्ली और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में यह काफी नीचे पहुंच चुकी है। ऐसे में पूरे देश पर एक ही पैमाने से दो बच्चों का कानूनी प्रतिबंध लगाने की मांग कितनी व्यावहारिक है? जनसंख्या का गणित कोई स्कूल की एक जैसी प्रश्नावली नहीं है, जिसमें हर राज्य को एक ही उत्तर लिखना पड़े। कहीं शिक्षा, स्वास्थ्य और जागरूकता की जरूरत है तो कहीं घटती जन्म दर और बुजुर्ग होती आबादी की तैयारी करनी होगी।

इस बहस का एक दूसरा पहलू भी है, जिस पर अक्सर राजनीतिक शोर में चर्चा दब जाती है। महाराष्ट्र की पूर्व सरपंच को तीसरी संतान के कारण पद के लिए अयोग्य ठहराया गया था। सवाल यह है कि किसी व्यक्ति की प्रशासनिक क्षमता और उसके बच्चों की संख्या का आखिर क्या संबंध है? क्या तीन बच्चों का पिता या मां दो बच्चों वाले व्यक्ति से कम योग्य हो जाता है? क्या नेतृत्व की परीक्षा परिवार के सदस्यों की गिनती से होनी चाहिए या कामकाज, ईमानदारी और जनसेवा से? लोकतंत्र में प्रतिनिधि चुनने का अधिकार जनता के पास है। फिर संतान की संख्या को राजनीतिक पात्रता का पैमाना बनाने पर पुनर्विचार क्यों नहीं होना चाहिए? खासकर महिलाओं के मामले में यह प्रतिबंध उनके निजी और प्रजनन संबंधी फैसलों को प्रभावित कर सकता है।

सबसे बड़ी चिंता अब बूढ़े होते भारत की है। आंकड़ों के अनुसार 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की हिस्सेदारी 2014 में 8.3 प्रतिशत थी, जो 2024 में बढ़कर 9.7 प्रतिशत हो गई। अनुमान है कि 2036 तक यह करीब 15 प्रतिशत पहुंच सकती है। यानी आने वाले समय में देश को अधिक बुजुर्गों के लिए स्वास्थ्य सुविधाएं, पेंशन और सामाजिक सुरक्षा की व्यवस्था करनी होगी। दूसरी ओर कामकाजी उम्र की आबादी का अनुपात घटने का दबाव भी बढ़ सकता है। चीन और जापान जैसे देशों के अनुभव बताते हैं कि एक बार प्रजनन दर बहुत नीचे चली जाए तो उसे दोबारा बढ़ाना आसान नहीं होता। चीन ने एक बच्चे की नीति से आगे बढ़कर दो और फिर तीन बच्चों की अनुमति दी, लेकिन जन्म दर में अपेक्षित उछाल नहीं आया।

यहां सरकारों के सामने असली परीक्षा शुरू होती है। केवल कानून बनाकर जनसंख्या का संतुलन नहीं बनाया जा सकता। रोजगार, महिलाओं की शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, बच्चों की परवरिश का खर्च, सुरक्षित कार्यस्थल और बुजुर्गों की देखभाल जैसी बुनियादी व्यवस्थाएं भी जरूरी हैं। आज युवा दंपती बच्चों की संख्या तय करते समय केवल परिवार नहीं, बल्कि महंगाई, मकान, स्कूल फीस और नौकरी की अनिश्चितता का हिसाब भी लगाते हैं। ऐसे में जनसंख्या नीति को डंडे से नहीं, भरोसे और सुविधाओं से आगे बढ़ाना होगा।

विडंबना यह है कि कल तक ज्यादा बच्चे पैदा करने वालों को समस्या बताया जाता था और आज कम बच्चे होने पर भविष्य की चिंता जताई जा रही है। शायद अब जनसंख्या पर बहस को नारों से निकालकर वास्तविक आंकड़ों तक पहुंचाने का समय है। भारत को न तो अंधाधुंध आबादी बढ़ाने की जरूरत है और न ही हर परिवार पर एक ही कानूनी फार्मूला थोपने की। जरूरत है संतुलित, स्वस्थ और सक्षम आबादी की। आखिर देश को केवल सिर गिनने से ताकत नहीं मिलती, उसे काम करने वाले हाथ, सोचने वाले दिमाग और बुजुर्गों की देखभाल करने वाली मजबूत व्यवस्था भी चाहिए। सवाल अब यह नहीं कि भारत में कितने लोग हैं, बल्कि यह है कि आने वाले भारत को संभालने के लिए कितने युवा और कितनी तैयारी होगी?

विचार विंडो

दीपावली की चमक में कहीं खो न जाए त्योहारों की असली आत्मा

राम प्रकाश वर्मा

दीपावली आते ही देश रोशनी में नहा उठता है। बाजारों में रौनक, घरों में सजावट, गलियों में झालरें और आसमान में आतिशबाजी का शोर सुनाई देने लगता है। हर तरफ खुशियों का माहौल दिखाई देता है। लेकिन इस चमक–दमक के बीच एक सवाल भी खड़ा होता है कि क्या दीपावली अब केवल खरीदारी, दिखावे और महंगे उपहारों का त्योहार बनकर रह गई है? जिस पर्व का मूल संदेश अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ना था, कहीं उसकी आत्मा ही बाजार की चकाचौंध में तो नहीं खोती जा रही?

दीपावली भारतीय संस्कृति का ऐसा पर्व है, जो केवल घरों में दीपक जलाने तक सीमित नहीं है। यह उम्मीद, विश्वास, सकारात्मकता और सामाजिक सद्भाव का प्रतीक है। मिट्टी के छोटे से दीपक में भी उतनी ही रोशनी होती है, जितनी किसी महंगे बिजली के झालर में। फर्क केवल इतना है कि दीपक परंपरा और श्रम से जुड़ा है, जबकि बाजार की चमक अक्सर हमारी जेब की हैसियत दिखाने का माध्यम बन जाती है।

आज दीपावली की तैयारियों में बाजार की भूमिका लगातार बढ़ती जा रही है। घर की सजावट से लेकर कपड़ों, मिठाइयों, इलेक्ट्रॉनिक सामान और उपहारों तक हर चीज में प्रतिस्पर्धा दिखाई देती है। किसके घर में सबसे महंगी सजावट है, किसने कितनी खरीदारी की और किसका उपहार सबसे आकर्षक है, यह तुलना त्योहार की सहज खुशी पर भारी पड़ने लगी है। त्योहार मनाने की खुशी अब कई परिवारों के लिए खर्च का दबाव भी बनती जा रही है। सवाल यह है कि क्या खुशियां खरीदने के लिए बड़ी रकम खर्च करना जरूरी है?

दूसरी ओर दीपावली का सबसे सुंदर पक्ष उन लाखों हाथों से जुड़ा है, जो इस पर्व को रोशन करने में अपनी भूमिका निभाते हैं। कुम्हार मिट्टी के दीपक बनाता है, कारीगर सजावटी सामान तैयार करता है, छोटे दुकानदार अपनी दुकान सजाते हैं और मिठाई बनाने वाले महीनों पहले से तैयारी में जुट जाते हैं।

इनके लिए दीपावली केवल त्योहार नहीं, बल्कि सालभर की मेहनत का महत्वपूर्ण अवसर होती है। ऐसे में अगर हम स्थानीय कारीगरों और छोटे व्यापारियों से सामान खरीदें तो त्योहार की खुशियां उनके घरों तक भी पहुंच सकती हैं। विदेशी चमक और ऑनलाइन खरीदारी के दौर में अपने स्थानीय बाजारों को मजबूत करना भी दीपावली के संदेश का हिस्सा होना चाहिए।

लेकिन रोशनी के इस पर्व के साथ प्रदूषण की समस्या भी जुड़ गई है।

आतिशबाजी के शोर और धुएं से वातावरण प्रभावित होता है। बच्चों, बुजुर्गों और सांस संबंधी परेशानी से जूझ रहे लोगों को विशेष कठिनाई हो सकती है। दीपावली की खुशी किसी दूसरे की परेशानी का कारण नहीं बननी चाहिए। उत्सव मनाने और जिम्मेदारी निभाने के बीच संतुलन जरूरी है।



दीप जलाने, घर सजाने, परिवार के साथ समय बिताने और जरूरतमंदों की सहायता करने में भी भरपूर आनंद मिल सकता है। खुशियां व्यक्त करने के लिए शोर और धुएं को ही माध्यम मान लेना उचित नहीं है।

इस पर्व का एक सामाजिक पक्ष भी है, जिस पर अपेक्षाकृत कम ध्यान दिया जाता है। हमारे आसपास ऐसे अनेक परिवार हैं, जिनके घरों में आर्थिक कठिनाइयों के कारण त्योहार की रौनक नहीं पहुंच पाती। किसी जरूरतमंद को मिठाई देना, किसी श्रमिक के परिवार के लिए कपड़े खरीदना या किसी अकेले बुजुर्ग के साथ कुछ समय बिताना भी दीपावली की रोशनी को सार्थक बना सकता है।

आखिर दीपक की असली उपयोगिता तभी है, जब वह अपने आसपास के अंधेरे को दूर करे। केवल अपने घर को रोशन कर लेना ही पर्याप्त नहीं, समाज के अंधेरे को भी समझना होगा। दीपावली पर एक और चिंता मिलावटखोरी की है। मिठाइयों और खाद्य पदार्थों की मांग बढ़ते ही कुछ लोग मुनाफे के लालच में लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने लगते हैं। त्योहार की मिठास में मिलावट का जहर घोलने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है। प्रशासन को केवल बाजारों में औपचारिक निरीक्षण तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करनी चाहिए। उपभोक्ताओं को भी खरीदारी में सावधानी बरतनी होगी।

सबसे जरूरी है कि दीपावली को दिखावे की प्रतियोगिता नहीं, संवेदनाओं का उत्सव बनाया जाए। घर में दीपक जलें तो मन में भी सद्भाव का उजाला होना चाहिए। लक्ष्मी के स्वागत की तैयारी हो तो श्रम और ईमानदारी का सम्मान भी होना चाहिए। मिठाइयां बांटी जाएं तो खुशियां उन लोगों तक भी पहुंचें, जिनके पास त्योहार मनाने के साधन सीमित हैं।

दीपावली का अर्थ केवल अंधेरे को रोशनी से हराना नहीं, बल्कि मन की नकारात्मकता, समाज की असमानता और व्यवहार की संकीर्णता को भी दूर करना है। अगर हम इस पर्व पर थोड़ा कम दिखावा करें, स्थानीय कारीगरों को अधिक महत्व दें, पर्यावरण का ध्यान रखें और जरूरतमंदों के जीवन में खुशियां बांटें तो दीपावली का संदेश वास्तव में सार्थक होगा। वरना बिजली की हजारों झालरें जलाने के बाद भी मन के भीतर अंधेरा बना रह सकता है।

गाजियाबाद पुलिस चौकी में धमाका शीशे टूटे और दीवार में आई दरार

वसुंधरा चौकी में धमाके से मचा हड़कंप, डिलीवरी बॉय घायल

एटीएस, बम निरोधक दस्ते और फॉरेंसिक टीम ने शुरू की जांच



यूनिक समय, गाजियाबाद। गाजियाबाद के वसुंधरा इलाके में स्थित पुलिस चौकी में शुक्रवार रात करीब नौ बजे अचानक जोरदार धमाका होने से हड़कंप मच गया। धमाके की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। कुछ ही देर में घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। धमाके के कारण पुलिस चौकी की खिड़कियों के शीशे टूटकर बिखर गए। इसके अलावा चौकी में लगा एसी खराब हो गया और दीवार में भी दरार आ गई। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। गनीमत रही कि इस धमाके में कोई बड़ा जान-माल का नुकसान नहीं हुआ, लेकिन इसकी चपेट में आने से खाना डिलीवरी करने वाला 20 वर्षीय युवक विशाल घायल हो गया। उसे तत्काल इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस के साथ सुरक्षा और जांच एजेंसियां मौके पर पहुंच गईं। मामले की गंभीरता को देखते हुए उत्तर प्रदेश एटीएस, बम निरोधक दस्ता, फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड को भी बुलाया गया। सभी टीमों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और पुलिस चौकी के अंदर तथा आसपास के इलाके की बारीकी से जांच की। जांच एजेंसियों ने मौके से जरूरी साक्ष्य जुटाए, ताकि धमाके की असली वजह का पता लगाया जा सके। शुरुआती जांच में एसी के कंप्रेसर में विस्फोट होने या किसी सामान्य पटाखे से धमाका होने की पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में एजेंसियां किसी एक वजह को मानकर जांच नहीं कर रही हैं, बल्कि हर संभावित पहलू को ध्यान में रखकर पड़ताल कर रही हैं। घटनास्थल से जुटाए गए नमूनों और अन्य सबूतों को वैज्ञानिक जांच के लिए आगरा भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही धमाके की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल एटीएस और अन्य टीमें यह पता लगाने में जुटी हैं कि पुलिस चौकी में विस्फोट जैसी स्थिति कैसे बनी और इसमें किसी बाहरी व्यक्ति या संदिग्ध गतिविधि की भूमिका तो नहीं थी। दीपावली के त्योहार को देखते हुए प्रदेश की सुरक्षा एजेंसियां पहले से ही अलर्ट पर हैं। पुलिस और खुफिया एजेंसियां संवेदनशील स्थानों के साथ संदिग्ध गतिविधियों पर भी नजर रख रही हैं। ऐसे में पुलिस चौकी के भीतर हुआ यह धमाका सुरक्षा व्यवस्था के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

हालांकि, अभी तक किसी साजिश या विस्फोटक सामग्री के इस्तेमाल की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। जांच पूरी होने के बाद ही घटना के पीछे की असली वजह सामने आ पाएगी।

फरह के आइडियल स्कूल में धूमधाम से मना दीपोत्सव



आइडियल स्कूल में दीपोत्सव पर्व मनाते विद्यार्थी,साथ हैं निदेशक ओमप्रकाश शर्मा आदि।

यूनिक समय, फरह। कस्बा स्थित आइडियल स्कूल शनिवार को दीपकों की रोशनी से रोशनी से जगमगा उठा। विद्यालय में भव्य दीपोत्सव-सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की।

विद्यालय परिसर को आकर्षक झालरों, रंग-बिरंगी लाइटों और हाथों से बनी मनमोहक रंगोलियों से सजाया गया था। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के निदेशक ओम प्रकाश शर्मा ने मां सरस्वती और भगवान श्री राम के चित्र पर दीप प्रज्जवलित माल्यार्पण कर किया। इस दौरान छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बच्चों ने भगवान राम के स्वरूप को देख अभिभावक भावुक हो उठे। देशभक्ति गीतों पर नृत्य ने खूब तालियां बटोरीं। छात्र-छात्राओं दीपकों की सजावट, रंगोली मेकिंग और दीपावली कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। बच्चों ने मिट्टी के दीयों को रंगों से सजाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस मौके पर गौरव अग्रवाल, मंजर आलम, चंद्रपाल सिंह, राजकुमार दुबे, अंजलि पटेल, प्रियंका शर्मा, राधिका सिंघल, राधा यादव, निशा सारस्वत, अनीता सिंह, शिवानी यादव, एरिस राइन आदि शिक्षक- स्टाप मौजूद रहा।

दीपावली पर आग से निपटने के लिए प्रयागराज अलर्ट

24 क्लस्टर में दमकल तैनात

79 पटाखा बाजारों पर रहेगी निगरानी, सात फायर फाइटिंग बाइक भी तैयार



यूनिक समय, प्रयागराज। दीपावली पर आतिशबाजी के दौरान आग लगने की घटनाओं से निपटने के लिए प्रयागराज अग्निशमन विभाग ने विशेष तैयारी की है। पूरे पुलिस कमिश्नरेट को 24 क्लस्टर में बांटा गया है और हर क्लस्टर में कम से कम एक दमकल गाड़ी तैनात की गई है। शहर में 79 स्थानों पर लगने वाले अस्थायी पटाखा बाजारों की निगरानी के लिए भी विशेष इंतजाम किए गए हैं। दुकानदारों को रेत और पानी रखने के साथ आपात स्थिति में रास्ता खुला रखने के निर्देश दिए गए हैं। भीड़भाड़ वाले बाजारों और घनी आबादी वाले रिहायशी इलाकों में भी दमकल की गाड़ियां तैनात रहेंगी। संकरी गलियों में तुरंत पहुंचने के लिए सात फायर फाइटिंग बाइक, पिकअप वैन और छोटी गाड़ियों को भी तैयार रखा गया है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी डॉ. चंद्रमोहन शर्मा के मुताबिक, सभी दमकल वाहनों और उपकरणों की जांच पूरी कर ली गई है। कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर उन्हें हाई अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए गए हैं। अगले तीन दिनों तक शहर में विशेष निगरानी और गश्त की जाएगी, ताकि आग लगने की सूचना मिलते ही राहत कार्य शुरू किया जा सके।

मेरठ में कारोबारी से 32 ग्राम सोने की ठगी, आरोपी फरार

सम्मोहित कर करीब पांच लाख का सोना लेकर भागे बदमाश

12 घंटे बाद भी पुलिस के हाथ खाली



यूनिक समय, मेरठ। मेरठ के शहर सराफा बाजार में शुक्रवार को दिनदहाड़े एक कारोबारी से 32 ग्राम कच्चा सोना ठग लिया गया। इसकी कीमत करीब पांच लाख रुपये बताई जा रही है। घटना के 12 घंटे बाद भी आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। मामले के खुलासे के लिए तीन टीमें गठित की गई हैं। जिस दुकान से कारोबारी सोना लेकर निकले थे, वहां सुरक्षा के लिए पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। कोलकाता के महेशपुर हुबली निवासी ऋषभ शहर सराफा बाजार में कारीगर हैं। शुक्रवार को वह एक दुकानदार से माल तैयार करने के लिए 32 ग्राम सोना लेकर जा रहे थे। रास्ते में दो संदिग्ध युवकों ने उन्हें अपनी बातों में उलझाया और कुछ दूरी पर उनका बैग लेकर फरार हो गए। आरोप है कि बदमाशों ने उन्हें सम्मोहित कर वारदात को अंजाम दिया।

सूचना मिलने पर एडीजी भानु भास्कर और डीआईजी कलानिधि नैथानी मौके पर पहुंचे। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। फुटेज में आरोपी नील की गली से घंटाघर की ओर जाते दिखाई दिए हैं। सराफा व्यापारियों ने सुरक्षा बढ़ाने और आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है।

लखनऊ में 60 हजार रुपये किलो बिक रही सोने की मिठाई

दस देशों के ड्राईफ्रूट से तैयार गोल्ड प्लेटेड मिठाई बनी आकर्षण

पटाखेवाली और टर्की बकलावा की भी मांग



यूनिक समय, लखनऊ। दिवाली के मौके पर लखनऊ के मिठाई बाजार में इस बार खास रौनक है। यहां 60 हजार रुपये प्रति किलो कीमत वाली गोल्ड प्लेटेड मिठाई लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इसे 10 देशों के ड्राईफ्रूट और अन्य खास सामग्री से तैयार किया गया है। इसमें अमेरिका की ब्लूबेरी, ईरान का पिस्ता, अफगानिस्तान का बादाम, साउथ अफ्रीका के मैकाडामिया नट्स, ब्राजील नट्स, किन्नौर का चिलगोजा और कश्मीर का केसर इस्तेमाल किया गया है। इस पर सोने की परत भी चढ़ाई जाती है। दुकानदारों के मुताबिक, इस मिठाई की शुरुआत 2009 में हुई थी, तब इसकी कीमत 25 हजार रुपये किलो थी। इस बार बाजार में पटाखे के आकार वाली पैकिंग और हॉट एयर बैलून थीम के गिफ्ट हैंपर भी ग्राहकों को लुभा रहे हैं। इनकी कीमत 20 से 3 हजार रुपये तक है। मिठाइयों में अंजीर कटलेट, खजूर लड्डू, मैंगो बाइट, टर्की बकलावा और काजू कतली की मांग है। शहर में 3 हजार से ज्यादा छोटी-बड़ी दुकानें सजी हैं। व्यापारियों को इस दिवाली मिठाई कारोबार 400 करोड़ रुपये से अधिक होने की उम्मीद है।

गाजियाबाद में निर्माणाधीन मकान का लैंटर गिरा, एक मजदूर की मौत



मोदीनगर के सिकरी गांव में हादसा, पांच मजदूरों को मलबे से निकाला गया

एनडीआरएफ-एसडीआरएफ ने चलाया रेस्क्यू ऑपरेशन

यूनिक समय, गाजियाबाद। गाजियाबाद के मोदीनगर स्थित सिकरी गांव में दिवाली के दिन निर्माणाधीन मकान का लैंटर गिरने से बड़ा हादसा हो गया। स्लैब डालने के दौरान शटरिंग खिसकने या किसी अन्य वजह से लैंटर गिर गया, जिससे वहां काम कर रहे मजदूर मलबे में दब गए। हादसे के समय मौके पर छह से सात मजदूर मौजूद थे। सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल विभाग की टीमें पहुंचीं और बचाव अभियान शुरू किया। अधिकारियों के मुताबिक, मलबे से पांच मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान एक मजदूर की मौत हो गई। बाकी घायलों का उपचार जारी है। मोदीनगर की विधायक मंजू शिवाच ने घटना को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि लैंटर गिरने के कारणों की जांच की जाएगी।

ग्रामीण सुरेंद्रनाथ तिवारी के मुताबिक, रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा हो चुका है और अब मलबे में कोई अन्य व्यक्ति नहीं फंसा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर राहत कार्य तेज करने और पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

अयोध्या के रामपथ पर साकार हुई रामायण

21 झांकियों में दिखे रामायण के सातों कांड

ढोल-नगाड़ों और जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठी नगरी



यूनिक समय, अयोध्या । अयोध्या में दसवें दीपोत्सव के अवसर पर रामपथ पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। ढोल-नगाड़ों की गूंज, लोक कलाकारों के नृत्य और जय श्रीराम के उद्घोष के बीच 21 आकर्षक झांकियों ने रामायण के प्रसंगों को जीवंत कर दिया। शोभायात्रा को पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने साकेत महाविद्यालय से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। करीब तीन किलोमीटर का सफर तय कर यह रामकथा पार्क पहुंची। इस बार शोभायात्रा में 14 झांकियां योगी सरकार की उपलब्धियों और सात झांकियां रामायण के सातों कांडों पर आधारित रहीं। रामायण की झांकियों में रामजन्म, वनगमन, वनवास, सुग्रीव और हनुमान से मिलन, लंका दहन, रावण वध और उत्तरकांड के प्रसंगों को दर्शाया गया। प्रभु श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण और बजरंगबली के स्वरूपों ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। वहीं सरकारी योजनाओं से जुड़ी झांकियों में जल जीवन मिशन, आयुष्मान योजना, मिशन शक्ति, प्रधानमंत्री आवास योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ और डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर को दिखाया गया। विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों ने पारंपरिक लोकनृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। महिला कलाकारों ने कंधों पर ढोल रखकर प्रस्तुति दी, जबकि नगाड़ों और ताशों की थाप पर कलाकारों ने करतब दिखाए। पर्यटन मंत्री ने कहा कि दीपोत्सव अब केवल उत्तर प्रदेश का आयोजन नहीं, बल्कि पूरी दुनिया का पर्व बन चुका है। शोभायात्रा देखने पहुंचे श्रद्धालु रामायण के सजीव मंचन और अयोध्या की भव्य सजावट देखकर भावविभोर नजर आए। पूरे रामपथ पर भक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा।

लाइसेंस के फेर में फंसी आतिशबाजी

छोटी दीपावली पर भी नहीं मिली बिक्री की अनुमति

ब्याज और उधारी पर लाखों का माल खरीदकर बैठे दुकानदार



पटाखा बाजार में सुरक्षा मानकों का निरीक्षण करते सीओ छाता भूषण वर्मा।

यूनिक समय, कोसीकलां। दीपावली पर आतिशबाजी बेचकर सालभर की कमाई की उम्मीद लगाए बैठे कोसीकलां के व्यापारियों के सामने इस बार रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। हाईवे स्थित अग्रसेन वाटिका के सामने मैदान में आतिशबाजी की दुकानें सजकर तैयार हैं, लेकिन अस्थायी लाइसेंस जारी नहीं होने से छोटी दीपावली पर भी बिक्री शुरू नहीं हो सकी। चार दिन तक गुलजार रहने वाला पटाखा बाजार ग्राहकों की आवाजाही के बावजूद सूना पड़ा रहा। व्यापारियों ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए जल्द लाइसेंस जारी करने की मांग की है।

व्यापारियों का कहना है कि उन्होंने ब्याज पर रकम लेकर और उधारी पर लाखों रुपये की आतिशबाजी खरीदी है। हर साल की तरह इस बार भी चार दिन में माल बेचकर कर्ज चुकाने और परिवार के साथ दीपावली मनाने की उम्मीद थी, लेकिन छोटी दीपावली तक अनुमति नहीं मिलने से कारोबार ठप रहा। ग्राहक पटाखे खरीदने पहुंच रहे हैं, लेकिन लाइसेंस न होने के कारण उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ रहा है।

दुकानदारों ने कहा कि जब आतिशबाजी बाजार के लिए मैदान निर्धारित कर सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं तो लाइसेंस जारी करने में देरी क्यों की जा रही है। अब दीपावली के दिन ही बिक्री का मौका मिलेगा। ऐसे में एक दिन में लाखों रुपये का माल कैसे बिकेगा। माल नहीं बिका तो कर्ज का भुगतान कैसे होगा।

व्यापारियों ने कहा, प्रशासन की देरी ने उनके त्योहार की खुशियों पर पानी फेर दिया है। व्यापारियों ने डीएम से मानवीय आधार पर जल्द अस्थायी लाइसेंस जारी कराने की मांग की। शनिवार शाम पांच बजे तक खबर लिखे जाने तक दुकानदारों को लाइसेंस जारी नहीं हो सके थे।

पटाखा बाजार पहुंचे सीओ, सुरक्षा मानकों का किया निरीक्षण

यूनिक समय, कोसीकलां। दीपावली की पूर्व संध्या पर शाम करीब 4:30 बजे सीओ छाता भूषण वर्मा पुलिस बल के साथ हाईवे स्थित अग्रसेन वाटिका के सामने लगे पटाखा बाजार पहुंचे। उन्होंने दुकानों का निरीक्षण कर सुरक्षा मानकों का जायजा लिया। इस दौरान दुकानदारों ने लाइसेंस जारी नहीं होने पर नाराजगी जताई। उन्होंने सवाल उठाया कि जब आतिशबाजी बेचने की अनुमति ही नहीं मिली है तो निरीक्षण का क्या औचित्य है। पुलिस अधिकारियों ने देर शाम तक अस्थायी लाइसेंस जारी होने की उम्मीद जताई।

रात में घर लौट रहे मजदूर को घेरकर पीटा, 3850 रुपये लूटे



यूनिक समय, कोसीकलां। थाना क्षेत्र में देर रात मजदूरी कर घर लौट रहे एक युवक के साथ 8-10 लोगों ने मारपीट कर लूट की वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित ने थाना में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

आर.के. पुरम कॉलोनी, शेरगढ़ रोड निवासी अर्जुन दौताना में एक होटल पर मजदूरी करता है। आरोप है कि छह नवंबर की रात लगभग 11 बजे जब वह घर लौट रहा था, तभी शेरगढ रोड स्थित सामदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पास 8-10 लोगों ने पीछे से उसे घेर लिया और लाठी-डंडों से बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया। पीड़ित का आरोप है कि उनमें से एक युवक राहुल पुत्र राजू निवासी काली मंदिर, रामनगर, कोसीकलां ने उसके सिर पर तमंचा लगा दिया और जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए उसकी जेब में रखे मजदूरी के 3850 रुपये निकाल लिए। शोर सुनकर आसपास के लोगों को आता देख आरोपी मुंह बंद रखने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। मारपीट में युवक के चेहरे और शरीर पर गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस ने तहरीर के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

दीपावली की पूर्व संध्या पर बाजारों में खरीदारी के लिए उमड़ी भीड़



शनिवार शाम छह बजे घंटाघर चौराहे पर भारी भीड़ के चलते सड़क पर लगा जाम।

यूनिक समय, कोसीकलां। दीपावली की पूर्व संध्या पर कोसीकलां के मुख्य बाजारों में खरीदारी के लिए जनसैलाब उमड़ पड़ा। पंजाबी बाजार, मेन बाजार, बजाजा बाजार, गली शेखान, शेरगढ रोड और बठैन रोड पर पैर रखने तक की जगह नहीं थी। लोगों ने लक्ष्मी–गणेश की प्रतिमाएं, दीये, मिठाइयां, कपड़े, बर्तन और सजावटी सामानों की जमकर खरीदारी की। भीड़ को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश सिंह के नेतृत्व में जगह–जगह पुलिस बल तैनात किया गया था। बाजार में जाम न लगे इसके लिए पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर वाहनों का प्रवेश बंद कर दिया था। सादी वर्दी में भी पुलिसकर्मी भीड़ में मौजूद रहे, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

कृषि अनाज मंडी में दीपोत्सव हजारों दीयों से जगमगाया परिसर



कोसीकलां अनाज मंडी में दीपदान करते चेयरमैन धर्मवीर अग्रवाल, मंडल अध्यक्ष सौरभ जैन, मंडी सचिव उमेश आदि।

यूनिक समय, कोसीकलां। धनतेरस और दीपोत्सव के पावन पर्व पर कोसीकलां कृषि उत्पादन अनाज मंडी में स्वच्छ मंडी-शुभ मंडी अभियान के तहत भव्य दीपोत्सव और किसान-व्यापारी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे चेयरमेन धर्मवीर अग्रवाल, भाजपा मंडल अध्यक्ष सौरभ जैन सहित सैकड़ों किसान, व्यापारी और क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का सबसे दिव्य क्षण तब आया जब चेयरमैन धर्मवीर अग्रवाल ने मंडी परिसर के बीचों-बीच 108 दीपों की भव्य दीप शृंखला प्रज्ज्वलित की। उनके हाथों से जैसे ही पहला दीप जला, पूरा मंडी परिसर जय श्री राम और दीपोत्सव की जय के जयकारों से गूंज उठा। दीपदान के बाद अपने संबोधन में धर्मवीर अग्रवाल ने कहा कि यह दीप सिर्फ मिट्टी का दिया नहीं है, यह हमारे अन्नदाता किसान की उम्मीदों का प्रकाश है। चेयरमैन धर्मवीर अग्रवाल और मंडल अध्यक्ष सौरभ जैन ने कहा कि यह दीपदान मंडी के इतिहास में हमेशा याद रखा जाएगा।

कोसीकलां के बजरंग विद्या मंदिर में दीपोत्सव की धूम

दीयों की रोशनी और बच्चों की प्रतिभा ने मोहा मन

यूनिक समय, कोसीकलां। दीपावली पर्व की खुशी में कमला नगर स्थित बजरंग विद्या मंदिर का परिसर शनिवार को दीयों की जगमग रोशनी से जगमगा उठा। विद्यालय में भव्य दीपोत्सव-सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों की प्रतिभा और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का दिल जीत लिया।

विद्यालय के प्रवेश द्वार से लेकर पूरे परिसर को आकर्षक झालरों, रंग-बिरंगी लाइटों और हाथों से बनी मनमोहक रंगोलियों से सजाया गया था। शुभारंभ विद्यालय के निदेशक लोकेंद्र पराशर ने मां सरस्वती और भगवान श्री राम के चित्र पर माल्यार्पण-दीप प्रज्ज्वलित कर किया। छात्राओं ने सरस्वती वंदना से माहौल को भक्तिमय बना दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में नन्हे-मुन्नें बच्चों ने भगवान राम के 14 वर्ष वनवास के बाद अयोध्या लौटने की जीवंत प्रस्तुति दी। छात्र–छात्राओं की रचनात्मकता को निखारने के लिए दीया सजावट, रंगोली मेकिंग और दीपावली कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। विद्यालय के निदेशक लोकेंद्र पराशर ने कहा कि यह पर्व हमें अपने भीतर के अहंकार और बुराई को मिटाकर ज्ञान का दीपक जलाने की प्रेरणा देता है। समापन पुरस्कार-मिष्ठान वितरण और राष्ट्रगान के साथ हुआ।

जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह से मिले रघुवर सिंह तौमर



यूनिक समय, कोसीकलां। उत्तर प्रदेश सरकार के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह से भाजपा नेता रघुवर सिंह तौमर ने शिष्टाचार भेंट की। इस मुलाकात में रघुवर सिंह तौमर ने ब्रज क्षेत्र विशेषकर मथुरा-कोसी के किसानों से जुड़ी समस्याओं को लेकर चर्चा की। उन्होंने किसानों के लिए पानी और बिजली से जुड़ी योजनाओं का जल्द समाधान करने का आग्रह किया। मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने किसानों के सभी मुद्दों को गंभीरता से सुना और जल्द समाधान का आश्वासन दिया।

अनुसूचित मोर्चा के जिलाध्यक्ष और मंडल अध्यक्ष का भव्य स्वागत



यूनिक समय, कोसीकलां। नगर के बठैन गेट स्थित वाल्मीकि पार्क पर भाजपा अनुसूचित मोर्चा के नवनियुक्त पदाधिकारियों का भव्य स्वागत समारोह किया गया। कार्यक्रम में सतीश बाल्मीकि को दूसरी बार भाजपा अनुसूचित मोर्चा का जिलाध्यक्ष बनाए जाने, युवा कार्यकर्ता विशाल बाल्मीकि को कोसीकलां मंडल अध्यक्ष बनाए जाने पर समाज ने उनका पगड़ी बांधकर और माला पहनाकर स्वागत किया। समारोह में कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण पहुंचे। उन्होंने दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों को प्रतीक चिन्ह भेंट कर और दुपट्टा पहनाकर शुभकामनाएं। किसान मोर्चा के प्रदेश मंत्री नरदेव चैधरी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो एक छोटे से कार्यकर्ता को भी पूरा सम्मान देती है। इस मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष सौरभ जैन, आर्य समाज प्रधान डॉ. प्रकाश आर्य सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एबीवीपी के दीपदान से जगमगाया भरत मिलाप चौक

यूनिक समय, कोसीकलां। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद नगर इकाई के तत्वावधान में शनिवार शाम भरत मिलाप चैक पर भव्य दीपदान कार्यक्रम बड़े ही हर्षोल्लास और भक्तिमय माहौल में हुआ। दीपों की रोशनी से पूरा भरत मिलाप चौक जगमगा उठा। शाम छह बजे शुरू हुए इस कार्यक्रम में एबीवीपी कार्यकर्ताओं और नगर के युवाओं ने सैकड़ों दीप प्रज्ज्वलित किए। सरोवर जैसी सजावट और दीपों की कतारों ने ऐसा मनोरम दृश्य प्रस्तुत किया, वहां मौजूद हर व्यक्ति मंत्रमुग्ध हो गया। कार्यक्रम में भारत माता और ज्ञान-शील-एकता के नारों से पूरा चौक गूंज उठा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष कमल किशोर वार्ष्णेय एवं विशिष्ट अतिथि चेयरमैन धर्मवीर अग्रवाल उपस्थित रहे। दोनों अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। दीपदान कार्यक्रम को सफल बनाने में एबीवीपी के नगर अध्यक्ष, नगर मंत्री सहित दर्जनों कार्यकर्ताओं का सराहनीय योगदान रहा।

पालिका ने कर्मचारियों संग मनाई दीवाली 300 सफाई योद्धाओं को दिया सम्मान

चेयरमैन और ईओ ने मिठाई– उपहार देकर बढ़ाया कर्मचारियों का उत्साह

बताया नगर का असली हीरो

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में दिन-रात जुटे कर्मचारियों के सम्मान में नगर पालिका ने अनूठी पहल की। पालिका प्रशासन ने दिवाली महोत्सव आयोजित कर करीब 300 कर्मचारियों को मिठाई और उपहार भेंट किए। चेयरमैन और अधिशासी अधिकारी ने कर्मचारियों को गले लगाकर दीपावली की शुभकामनाएं दीं।

शुक्रवार शाम पालिका परिसर में आयोजित कार्यक्रम में चेयरमैन धर्मवीर अग्रवाल और अधिशासी अधिकारी संजय कुमार ने एक-एक कर्मचारी को उपहार देकर सम्मानित किया। सम्मान पाकर कर्मचारियों के चेहरे खिल उठे। कार्यक्रम में जेई बृजेंद्र मधेशिया, सुरेंद्र अग्रवाल, मोहन अग्रवाल, हरिकिशन, राकेश शर्मा, सूरजपाल और प्रदीप सविता सहित सभासद-पालिका कर्मचारी मौजूद रहे।

पांच लाख की रंगदारी मांगने और बदनाम करने के आरोप में यूट्यूबर पर मुकदमा

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर की अग्रवाल सभा के अध्यक्ष संजीव अग्रवाल से पांच लाख रुपये की रंगदारी मांगने और मांग पूरी नहीं होने पर सोशल मीडिया पर बदनाम करने का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने लोकेश गर्ग के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

आरोप है कि खुद को यूट्यूबर बताने वाले लोकेश गर्ग ने संजीव अग्रवाल से पांच लाख रुपये की मांग की थी। मांग पूरी नहीं होने पर आरोपी ने फेसबुक पर उनके खिलाफ अभद्र और आपत्तिजनक टिप्पणी पोस्ट कर दी। इसकी जानकारी संजीव अग्रवाल को परिचितों और समाज के लोगों के फोन आने पर हुई।

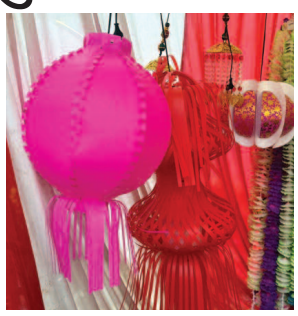
इंटरनेट मीडिया पोस्ट देखने के बाद उन्होंने पुलिस से शिकायत की। पीड़ित ने अपनी तहरीर में रंगदारी मांगने और इंटरनेट मीडिया के माध्यम से उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

घटना को लेकर नगर की सामाजिक, धार्मिक और व्यापारिक संस्थाओं के लोगों में नाराजगी है। उन्होंने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

महिलाओं के हुनर को बाजार दे रही सहकार भारती, दीपावली पर पांच बिक्री केंद्र शुरू

चाइनीज सामान से दूरी

महिलाओं के हाथों से तैयार सजावटी और उपयोगी वस्तुओं की हो रही बिक्री







यूनिक समय, वृंदावन। दीपावली पर बाजार में चाइनीज सामान की भरमार के बीच सहकार भारती स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के साथ महिलाओं के हुनर को बाजार उपलब्ध कराने की पहल कर रही है। संगठन की ओर से दीपावली पर वृंदावन में चार और मथुरा में एक स्थान पर बिक्री केंद्र स्थापित किए गए हैं।

इन केंद्रों पर महिलाओं के हाथों से तैयार दीपावली से जुड़ी सजावटी और उपयोगी वस्तुओं की बिक्री की जा रही है।

इन बिक्री केंद्रों की खासियत यह है कि यहां उपलब्ध सभी वस्तुएं महिलाओं ने स्वयं तैयार की हैं। इनमें किसी भी तरह का चाइनीज सामान शामिल नहीं है। इस पहल से एक ओर स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहन मिल रहा है, वहीं दूसरी ओर महिलाओं को अपने हुनर के दम पर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने का अवसर भी मिल रहा है।

सहकार भारती राष्ट्रीय स्तर का संगठन है। इसकी स्थापना वर्ष 1978 में सहकारिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी। संगठन किसानों, छोटे व्यापारियों, युवाओं और महिलाओं को सहकारिता के माध्यम से आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में काम कर रहा है। महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ना और उनके हुनर को पहचान दिलाना भी इसकी प्राथमिकताओं में शामिल है।

केंद्रों की संचालिका प्रीति तिवारी ने बताया कि बिक्री केंद्रों पर महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पाद उपलब्ध कराए गए हैं। इसका उद्देश्य महिलाओं को उनके हुनर के अनुरूप बाजार उपलब्ध कराना है, ताकि वे अपने बनाए सामान की बिक्री कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें।

बंदियों ने बनाए मोमबत्ती और दीपक लक्ष्मी–गणेश की मूर्तियों को भी सजाया

दीपावली पर जिला कारागार में विशेष तैयारियां

20 बंदियों को दिया गया स्वरोजगार का प्रशिक्षण



जिला कारागार में मूर्तियां बनाते विचाराधीन बंदी।

यूनिक समय, मथुरा। जिला कारागार में दीपावली पर्व को लेकर विशेष तैयारियां की गई हैं। जेल अधीक्षक अंशुमन गर्ग के निर्देशन में कई दिन पहले से ही त्योहार की तैयारियां शुरू कर दी गई थीं। इस दौरान कारागार प्रशासन की ओर से 20 बंदियों को मोमबत्ती बनाने, दीपक तैयार करने और भगवान लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियों को सजाने का प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद बंदियों द्वारा अब मोमबत्ती, दीपक और लक्ष्मी-गणेश की सजी हुई मूर्तियां तैयार की जा रही हैं। दीपावली को उत्साह देखने को मिल रहा है। कारागार प्रशासन की इस पहल का उद्देश्य बंदियों को रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने के साथ उनमें हुनर विकसित करना भी है। इससे बंदियों को अपनी प्रतिभा निखारने और भविष्य में स्वरोजगार के अवसर तलाशने की प्रेरणा मिल रही है।

जेल प्रशासन का मानना है कि इस तरह के प्रशिक्षण से बंदियों में सकारात्मक बदलाव आएगा। वे कारागार से बाहर निकलने के बाद अपराध की दुनिया छोड़कर समाज की मुख्यधारा से जुड़ने और सम्मानजनक जीवन जीने के लिए प्रेरित होंगे।

देखते हुए कारागार के प्रत्येक स्थल पर विशेष साफ-सफाई भी कराई गई है। जेल परिसर में त्योहार की तैयारियों के चलते बंदियों में खासा

क्षेत्रीय बौद्धिक प्रतियोगिता में रतनलाल फूल कटोरी देवी स्कूल ने जीती चैंपियनशिप



प्रमाण पत्र और ट्राफी संग खुशी मनातीं छात्राएं, साथ हैं प्रधानाचार्य डा. नीता सिंह।

यूनिक समय, मथुरा। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षण संस्थान के तत्वावधान में आयोजित अखिल भारतीय क्षेत्रीय बौद्धिक प्रतियोगिता में रतनलाल फूल कटोरी देवी स्कूल की छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चैंपियनशिप अपने नाम की। छात्राओं ने विभिन्न स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। सामूहिक नृत्य में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं का चयन राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए भी हुआ है। प्रतियोगिता में बाल वर्ग गीत में आराध्या ने प्रथम, मूर्ति कला में इशिता ने प्रथम, शिशु वर्ग चित्रकला में सुरभि ने प्रथम और चित्रकला में दिव्या राघव ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। अंताक्षरी प्रतियोगिता में कनिका, आस्था और काव्या की टीम तृतीय स्थान पर रही। प्रश्न मंच प्रतियोगिता में अन्वी गौड़, वैष्णवी और रितिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। छात्राओं की इस उपलब्धि पर विद्यालय में हर्ष का माहौल है। प्रधानाचार्या डॉ. नीता सिंह ने विजेता छात्राओं, उनकी मार्गदर्शिका सरिता दुबे और समस्त आचार्यों को बधाई दी।

सीएई अकादमी ने जीती डिस्ट्रिक्ट जूनियर क्रिकेट लीग की ट्रॉफी

फाइनल में अचीवर्स क्रिकेट अकादमी को दी शिकस्त

अंकुल धनगर ने खेली नाबाद 55 रन की मैच जिताऊ पारी



ट्रॉफी जीतने के बाद खुशी मनाते सीएई अकादमी के खिलाड़ी, साथ हैं पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। हरीश राघव पब्लिक स्कूल के मैदान पर खेले गए डिस्ट्रिक्ट जूनियर क्रिकेट लीग के फाइनल मुकाबले में सीएई अकादमी मथुरा ने अचीवर्स क्रिकेट अकादमी को चार विकेट से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। शानदार प्रदर्शन के लिए अंकुल धनगर को मैन ऑफ द मैच चुना गया। टॉस जीतकर सीएई अकादमी ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया।

बल्लेबाजी करने उतरी अचीवर्स क्रिकेट अकादमी की टीम ने निर्धारित 30 ओवर में नौ विकेट खोकर 125 रन बनाए। तेजस कुमार ने 52 रन और आर्यन चाहर ने नाबाद 49 रन की पारी खेली, जबकि आशीष आढ़ना ने 12 रन बनाए। सीएई की ओर से वीर प्रताप ने तीन, देव गोधर ने दो, अंकुल धनगर और गौरव तंवर ने एक-एक विकेट लिया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी सीएई अकादमी की टीम ने 26.4 ओवर में छह विकेट खोकर 126 रन बनाते हुए मुकाबला चार विकेट से जीत लिया। अंकुल धनगर ने नाबाद 55 रन की शानदार पारी खेली। तनुज चौधरी ने नाबाद 33 और सम्यक सिकरवार ने 16 रन का योगदान दिया। अचीवर्स की ओर से दुष्यंत चौधरी ने चार और पीयूष चाहर ने दो विकेट लिए। मैच के बाद जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष प्रदीप कुलश्रेष्ठ, सचिव कमल चावला और वरिष्ठ क्रिकेटर अशोक कैंथवास ने संयुक्त रूप से विजेता-उपविजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान की। खिलाड़ियों को व्यक्तिगत पुरस्कार रोहित सिंह, रवि गुर्जर और रचित चावला ने दिए। फाइनल में अंपायर की भूमिका अनिल आहूजा और मोहम्मद असलम खान ने निभाई, जबकि स्कोरिंग गौरव जादौन ने की। इस अवसर पर आशुतोष दीक्षित, जगदीश अग्रवाल, गोविन्द शर्मा, विष्णु, अमन सिसोदिया, आशीष और भुवन सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

ज्ञानदीप के पुरातन विद्यार्थियों का समागम, जीवंत हुईं बचपन की यादें



पुरातन छात्र-छात्राओं का समागम समारोह में सांस्कृति कार्यक्रम प्रस्तुत करते विद्यार्थी।

यूनिक समय, मथुरा। वर्ष 1969 में स्थापित शिक्षण संस्था ज्ञानदीप शिक्षा भारती में पुरातन छात्र-छात्राओं का समागम समारोह हर्षोल्लास वातावरण में हुआ। सैकड़ों पूर्व विद्यार्थियों ने एक–दूसरे से मुलाकात कर बाल्यकाल और युवावस्था की स्मृतियां साझा कीं। उन्होंने विद्यालय से मिले शिक्षा, संस्कार और प्रेरणा को समाज-राष्ट्र की सेवा का आधार बताया। संस्था के संस्थापक सचिव पद्मश्री मोहन स्वरूप भाटिया ने समारोह का शुभारंभ करते हुए कहा कि यह आयोजन केवल पुरातन विद्यार्थियों का मिलन नहीं, बल्कि परस्पर प्रेरणा और अनुभव साझा करने का महत्वपूर्ण अवसर है। मुख्य अतिथि पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य भुवन भूषण कमल ने कहा कि वह कई दशकों से ज्ञानदीप की शैक्षिक और सामाजिक सेवाओं के प्रशंसक रहे हैं। संस्था ने शिक्षा के साथ विद्यार्थियों में संस्कार, समाज सेवा और राष्ट्र सेवा का भाव विकसित किया है। समारोह में ज्ञानदीप के कलाकारों ने राष्ट्रभावना से ओतप्रोत संगीत प्रस्तुतियां देकर भावविभोर कर दिया। पूर्व शैक्षिक निदेशक केजी माहेश्वरी और पांच दशकों तक शिक्षण सेवा से जुड़े रहे शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी संस्मरण साझा किए। प्राचार्य रजनी नौटियाल, प्रशासनिक अधिकारी आशीष भाटिया और वरिष्ठ शिक्षकों ने आयोजन में योगदान दिया। संयोजन में अक्ष भाटिया की विशेष भूमिका रही।

बीएसए इंजीनियरिंग कॉलेज में दीपोत्सव संस्थान की प्रगति का लिया संकल्प

चेयरमैन नितिन मित्तल ने दीप प्रज्वलित कर किया शुभारंभ



दीप प्रज्वलित करते चेयरमैन नितिन मित्तल।

यूनिक समय, मथुरा। बीएसए कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी और एएसएम पॉलीटेक्निक में दीपावली का पर्व उत्साह और पारंपरिक श्रद्धा के साथ मनाया गया। संस्थान के चेयरमैन इंजीनियर नितिन मित्तल ने पदाधिकारियों और शिक्षकों के साथ दीप प्रज्वलित कर दीपोत्सव का शुभारंभ किया। चेयरमैन इंजीनियर नितिन मित्तल ने सभी को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीपोत्सव अंधकार से प्रकाश, नकारात्मकता से सकारात्मकता और बुराइयों से अच्छाइयों की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने शिक्षकगण और कर्मचारियों से संस्थान की उन्नति, विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया। वाइस चेयरमैन विशाल बंसल ने कहा कि दीपावली केवल दीप जलाने का पर्व नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, सद्भाव, एकता और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। कार्यक्रम में बीएसएसीईटी के निदेशक प्रो. श्याम सुंदर अग्रवाल, एएसएम पॉलीटेक्निक के निदेशक विशाल लाल गोस्वामी, डीन एकेडमिक प्रो. लोकेन्द्र शर्मा, वरिष्ठ रजिस्ट्रार भगवान सिंह सहित पदाधिकारी, विभागाध्यक्ष और शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन संस्थान की निरंतर उन्नति और सकारात्मक वातावरण बनाए रखने के संकल्प के साथ हुआ।

भाजपा ने दो नेताओं को सौंपी नई जिम्मेदारी



नई जिम्मेदारी मिलने के बाद विश्वम्मर सिंह का स्वागत करते लोग।

यूनिक समय, मथुरा। चुनाव नजदीक आते ही भारतीय जनता पार्टी ने संगठन को मजबूत करने की तैयारी तेज कर दी है। पार्टी हाईकमान ने चंद्रवीर सिंह सोलंकी को ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष और विश्वम्मर सिंह को जिला उपाध्यक्ष की नई जिम्मेदारी सौंपी है। यह जिम्मेदारी भाजपा जिलाध्यक्ष निर्भय पांडेय के नेतृत्व में दी गई है। पार्टी के जिला उपाध्यक्ष अनिल चौधरी ने कहा कि दोनों नेताओं को नई जिम्मेदारी मिलने से संगठन को मजबूती मिलेगी। नई जिम्मेदारी मिलने के बाद पहली बार जनपद आगमन पर दोनों नेताओं का कार्यकर्ता दिगंबर सिंह, देशराज सिंह, अनुज सिंह, केपी सिंह, ओशिव शर्मा, वीरेंद्र कुंतल, राजेंद्र चाहर, प्रेमपाल सिंह, मांगे लाल, ओमवीर सिंह और हरवीर सिंह सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने फूलमालाएं पहनाकर उनका स्वागत किया।